संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 278
पृष्ठ 8
रविवार
28 जून 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- चेहरे को ३-४ शेड ब्राइट करना...

विचार- क्या प्रतिभा का सही आकलन...

खेल- एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे भाला...

बिना मूल्यों की राजनीति 'मौत का फंदा' : सीएम योगी

1985 में 2 सीट, आज 21 राज्यों में सरकार

गोरखपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मूल्यों और आदर्शों की राजनीति अपनाकर शून्य से शिखर तक की यात्रा की है। 1985 में मात्र दो लोकसभा सीट हासिल करने वाली इस पार्टी की आज केंद्र सहित देश के 21 राज्यों में स्वयं की सरकार है। दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भाजपा की यात्रा सत्ता प्राप्त की यात्रा नहीं है, बल्कि यह सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और समन्वय की बेहतरीन यात्रा है।

सीएम योगी शनिवार को गोरखपुर के गुलरिहा स्थित एक रिजॉर्ट में भाजपा महानगर के प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पार्टी की महानगर इकाई की तरफ से आयोजित इस प्रशिक्षण वर्ग में शामिल प्रतिभागियों को 'दल से पहले देश' और 'व्यक्ति से पहले समाज' के भाव से अनवरत आगे बढ़ते रहने को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा आज दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास प्रतीक बनी है तो इसके पीछे भारतीय जनसंघ के समय से पार्टी के संस्थापकों के आदर्शों और संस्कारों से मिली प्रेरणा है।

सीएम योगी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के उद्धरण, 'बिना मूल्यों और आदर्शों वाली राजनीति मौत का फंदा है' का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए संस्थापकों के मूल्य और आदर्श सदैव सर्वोपरि हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश में वाह्य और आंतरिक सुरक्षा का मॉडल दिया है। 2014 के पहले दुश्मन देश सैनिकों से क्रूरता करते थे। सरकारें तब बोलती नहीं थी, उन्हें देश की कीमत पर संबंध की चिंता रहती थी। 2014 के बाद सरकार ने दुश्मन की आंख में आंख मिलाने का सामर्थ्य दिया है। एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये दुनिया के सामने अपने सामर्थ्य और ताकत का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले कश्मीर जल रहा था, पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवाद चरम पर था, देश के 120 जिलों में नक्सलवाद हावी था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कश्मीर में आतंकवाद को कुचल दिया है।

भारत टैक्सी को रोकने के लिए निजी सेवा कंपनियां अनुचित प्रतिस्पर्धा का इस्तेमाल कर रहीं : शाह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि कुछ निजी परिवहन सेवा कंपनियां सहकारी मोबिलिटी प्लेटफॉर्म श्भारत टैक्सीश को बाहर करने के लिए घाटे में परिचालन करके और किराए में भारी कटौती करके अनुचित प्रतिस्पर्धा का इस्तेमाल कर रही हैं। शाह ने घोषणा की कि भारत टैक्सी दो साल के भीतर पूरे देश के 500 से अधिक शहरों तक पहुंच जाएगी।

गुजरात में श्भारत टैक्सीश की आधिकारिक शुरुआत के लिये आयोजित कार्यक्रम को यहां संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस सेवा का किराया अधिक होने का दावा करने वाली खबरें भ्रामक हैं। उन्होंने अहमदाबाद, सूरत, द्वारका, वडोदरा, राजकोट, सोमनाथ, वलसाड, आणंद, जामनगर, भावनगर, जूनागढ़, मेहसाणा और अमरेली सहित राज्य के 14 प्रमुख शहरों में श्भारत टैक्सीश सेवा की शुरुआत की।

शाह ने कहा, श्श्आज, मुझे कुछ फोन आए, और कुछ समाचार पत्रों ने रिपोर्ट दी है कि भारत टैक्सी का किराया अधिक है। मैं देश भर के ग्राहकों को बताना चाहता हूं कि जहां भी भारत टैक्सी प्रवेश कर रही है, प्रतिस्पर्धी कंपनियां अपना किराया कम कर रही हैं और वे घाटा उठाने के लिए तैयार हैं।श्श उन्होंने कहा, श्श्इस प्रतिस्पर्धा में हमारा उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं है। किराया कम करने और श्सारथियोंश (चालकों) को अधिक कमीशन देने का यह तरीका केवल भारत टैक्सी के बाजार में प्रवेश को रोकने के लिए अपनाया गया है।

रेखा गुप्ता सरकार का सख्त रुख, अस्पताल में अनियमितता मिलने पर होगी कार्रवाई

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार की पब्लिक ग्रीवांस हियरिंग (जन सुनवाई) के दौरान मिली शिकायत के बाद, शालीमार बाग के फोर्टिस हॉस्पिटल का तुरंत इंस्पेक्शन करने का आदेश दिया है। अधिकारियों की एक टीम ने हॉस्पिटल का इंस्पेक्शन किया और शुरुआती गड़बड़ियों की रिपोर्ट दी, जिसके बाद सरकार ने वादा किया कि अगर कोई गड़बड़ी कन्फर्म होती है तो सख्त एक्शन लिया जाएगा। यह एक्शन तब शुरू किया गया जब मुख्यमंत्री के जन सुनवाई प्रोग्राम के दौरान एक नागरिक ने चिंता जताई।

तुरंत एक्शन लेते हुए, ब्ड रेखा गुप्ता ने डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन को आरोपों को वेरिफाई करने के लिए शालीमार बाग के फोर्टिस हॉस्पिटल का मौके पर जाकर इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया। सरकारी अधिकारियों की एक टीम ने हॉस्पिटल का दौरा किया और डिटेल में इंस्पेक्शन किया। मुख्यमंत्री ऑफिस के मुताबिक, विजिट के दौरान कुछ गड़बड़ियां देखी गईं। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी फाइनल एक्शन लेने से पहले अब एक पूरी रिपोर्ट की जांच की जाएगी। दिल्ली सरकार ने साफ कर दिया है कि मरीजों की देखभाल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि अगर जांच में किसी भी उल्लंघन या गड़बड़ी की पुष्टि होती है, तो अस्पताल के खिलाफ सख्त एडमिनिस्ट्रेटिव और कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। सरकार ने यह भी दोहराया कि हर हेल्थकेयर संस्थान मरीजों को समय पर, सम्मानजनक और नैतिक इलाज देने के लिए जिम्मेदार है।

एलओसी पर पाकिस्तानी घुसपैठिया दबोचा गया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़े जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच और निगरानी और तेज कर दी है। दूसरी ओर राजौरी जिले के घने जंगलों में चलाया जा रहा आतंकवाद विरोधी अभियान ऑपरेशन शेरुवाली लगातार 36वें दिन भी जारी है। दोनों घटनाएं यह संकेत दे रही हैं कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं और सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी के साथ हालात पर नजर रखे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार सेना के जवानों ने पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर के गुलपुर क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान 26 वर्षीय मोहम्मद सज्जाद के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अब्बासपुर क्षेत्र के पोलास गांव का निवासी है। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि मोहम्मद सज्जाद को शुक्रवार को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने दावा किया कि वह अनजाने में नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश कर गया था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके इस दावे की गहन जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि उससे लगातार पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने किन परिस्थितियों में सीमा पार की और उसके पीछे कोई अन्य मकसद तो नहीं था। सेना के सूत्रों के अनुसार नियंत्रण रेखा पर तैनात जवानों की सतर्कता के कारण घुसपैठ की इस कोशिश को समय रहते विफल कर दिया गया।

राम मंदिर फंड में हेराफेरी : प्रियंका गांधी का अल्टीमेटम, बोलीं

लीपापोती नहीं, पूरी जांच चाहिए

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अयोध्या राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी पर सवाल उठाए और 31 जनवरी, 2026 को निष्पक्ष जांच तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग पर एक पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या ऐसी गड़बड़ियाँ सिर्फ निचले स्तर के कर्मचारी ही कर सकते हैं और ऊँचे स्तर के लोगों की मिलीभगत की ओर इशारा किया। उन्होंने लिखा कि यह सवाल भी अहम हैरू क्या सिर्फ निचले स्तर के कर्मचारी अपने दम पर ब्ल्ज्ट कैमरे बंद कर सकते हैं और हजारों करोड़ के चढ़ावे में हेराफेरी कर सकते हैं, या इसके पीछे कुछ बड़े लोगों की मिलीभगत है?

उन्होंने मामले को दबाने की कोशिशों के खिलाफ चेतावनी देते हुए निष्पक्ष जांच और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच के नाम पर लीपा–पोती करने के बजाय पारदर्शी जांच होनी चाहिए और चोरी की इस घटना में जो भी शामिल है, उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। मंदिर के धार्मिक महत्व पर जोर देते हुए, प्रियंका गांधी ने इस कथित अपराध को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सत्य और धर्म का पालन करने वाले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और उनके करोड़ों भक्तों की आस्था के साथ धोखाधड़ी से की गई चोरी और लूट की घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि दान गहरी आस्था के साथ दिया जाता है और उसका गलत इस्तेमाल धार्मिक भरोसे का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं। इसी पवित्र भावना के साथ लोग मंदिर में सिर झुकाते हैं और दान देते हैं। जिन लोगों ने राम मंदिर में चोरी की है, उन्होंने धर्म और आस्था की मूल भावना को ठेस पहुँचाने का सबसे बड़ा पाप किया है। उसी दिन, कथित गबन की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया।

यह घटनाक्रम अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी से जुड़ी थ्स् दर्ज होने के बाद सामने आया। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत यह मामला दर्ज किया गया।

गुजरात के खेड़ा में अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 6 मजदूर घायल

नाडियाद (एजेंसी)। गुजरात में खेड़ा जिले के कपडवंज में अवैध पटाखा फैक्ट्री में शनिवार को ध्माका हो गया। हादसे में छह लोग घायल हो गए, जिनमें से दो मजदूर गंभीर हैं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसा 9:30 बजे हुआ। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास के गांवों में धरती कांप उठी। धमाके की आवाज 4 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाके के बाद फैक्ट्री में आग लग गई। दूर–दूर तक धुएं के गुबार दिखाई दिए। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भयभीत होकर अपने घरों से बाहर भागे और घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय विधायक अधिकारी और अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। इस बात का संदेह है कि कारखाना बिना अनुमति के चल रहा है। प्रांतीय अधिकारी अनिल झाला ने बताया कि घटना के समय कारखाने में 5 से 6 मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें से 2 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें आगे के इलाज के लिए नाडियाड और अहमदाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

महाराष्ट्र में टीईटी पेपर लीक, आज होना था एग्जाम

सरकार ने परीक्षा रद्द की, पेपर ठाणे से बरामद, सरकारी टीचर्स के लिए ये परीक्षा जरूरी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का पेपर करीब 24 घंटे पहले लीक हो गया। एग्जाम रविवार को होना था। महाराष्ट्र स्टेट एग्जामिनेशन काउंसिल (MSEC) ने इसके बाद परीक्षा स्थगित कर दी है। नई तारीखों का ऐलान बाद में किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, पेपर लीक की सूचना के बाद ठाणे के भिवंडी इलाकों के कई जगहों पर छापेमारी की। इसके बाद एग्जामिनेशन काउंसिल के अफसरों को बुलाया और जब्त पेपर को वेरिफाई कराया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि संख्या नहीं बताई है। यह कार्रवाई एग्जाम के 24 घंटे पहले की गई। परीक्षा में 4.28 लाख ज्यादा उम्मीदवार शामिल होने वाले थे। महाराष्ट्र में टीचर बनने के लिए या जो पहले से सरकारी टीचर हैं, उनके लिए भी टीईटी कंपलसरी है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 2 सितंबर कहा था कि शिक्षकों को सेवा में बने रहने या प्रमोशन के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) पास करना जरूरी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा था कि जिन शिक्षकों की नौकरी 5 साल से ज्यादा बची है, वे सभी इस नियम के दायरे में होंगे। कोर्ट ने ज्म्ज् पास करने की समय सीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी।

गाजा की स्थिति पर सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली है : सोनिया गांधी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि गाजा पर हो रहे हमलों के खिलाफ पूरी दुनिया लगातार आवाज उठा रही है, लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे है, जो हैरान करने वाली है। श्रीमती गांधी के शनिवार को एक अंग्रेजी दैनिक में इस विषय पर प्रकाशित लेख का समर्थन करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की मौजूदा विदेश नीति ने भारत को अपने पारंपरिक सहयोगियों फलस्तीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों से दूर कर दिया है और भारत वैश्विक जनमत से भी अलग–थलग पड़ता जा रहा है। श्री खरगे ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर लिखा कि श्रीमती गांधी का लेख मोदी सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी भाइयों–बहनों, विशेषकर बच्चों, पर हो रहे हमलों के बीच भारत की चुप्पी न तो नैतिक रूप से उचित है और न ही तर्कसंगत। हमारी राष्ट्रीय भावना फलस्तीन के लोगों के साथ खड़े होने की मांग करती है, जबकि राष्ट्रीय हित भी यह अपेक्षा करता है कि भारत गाजा में इजरायली कार्रवाई तथा पश्चिमी तट में लाखों फलस्तीनी परिवारों के विस्थापन के खिलाफ उभर रहे वैश्विक जनमत के अनुरूप स्पष्ट राय रखे।

उद्धव ने क्यों दिया 'भाजपा–मुक्त राम' का नारा ? बोले– हिंदुओं के साथ विश्वासघात किया गया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हिंदुत्व और अयोध्या का मुद्दा गरमा गया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अयोध्या के राम मंदिर में मिले दान में कथित गबन के मामले को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हिंदुओं की भावनाओं से खेलकर उनका विश्वास तोड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी श्भाजपा–मुक्त रामश के लिए आंदोलन करेगी। उद्धव के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

यवतमाल–वाशिम लोकसभा क्षेत्र में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि असली हिंदुत्व मानवता सिखाता है, लेकिन भाजपा का हिंदुत्व मंदिरों को लूटने वाला हिंदुत्व है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक दलों को तोड़ने का काम करती है। ठाकरे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) भाजपा के इस कथित हिंदुत्व को स्वीकार नहीं करती।

उद्धव ठाकरे ने अपने भाषण में कहा कि राम किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम के नाम पर राजनीति की और अब मंदिर से जुड़े दान में कथित गड़बड़ी के आरोप सामने आने के बाद उसकी नैतिकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे मामलों के खिलाफ आवाज उठाएगी और श्भाजपा–मुक्त रामश अभियान चलाने के लिए सड़कों पर उतरेगी।

अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं से मिले दान में कथित गबन के मामले ने हाल के दिनों में राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जांच एजेंसियों ने अब तक 79.85 लाख रुपये की बरामदगी की जानकारी दी है। मामले की जांच जारी है और इससे जुड़ी कई जानकारियां सामने आनी बाकी हैं।

रैली के दौरान उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि जनता बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दों से जूझ रही है, लेकिन इन मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय राजनीतिक अस्थिरता पैदा की जा रही है।

यौन उत्पीड़न की शिकायतें सिर्फ विलंब के आधार पर खारिज नहीं की जा सकती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें कई बार परिस्थितियों के कारण देर से दर्ज होती हैं। ऐसे में केवल शिकायत में हुई देरी को आधार बनाकर उसे खारिज नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें कई बार परिस्थितियों के कारण देर से दर्ज होती हैं। ऐसे में केवल शिकायत में हुई देरी को आधार बनाकर उसे खारिज नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने एचआरआई के एसोसिएट प्रोफेसर की याचिका पर दिया। मामला प्रयागराज के हरीश चंद्र अनुसंधान संस्थान (एचआरआई) के एक एसोसिएट प्रोफेसर के खिलाफ उनकी पूर्व शोधार्थियों की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़ा है।

शिकायतों की जांच के बाद आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने प्रोफेसर को दोषी मानते हुए उन्हें चेतावनी दी थी। भविष्य में किसी महिला शोधार्थी या रिसर्च असिस्टेंट का मार्गदर्शन करने पर रोक लगा दी थी। इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए प्रोफेसर ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि शिकायतें कथित घटनाओं के करीब छह माह बाद दाखिल की गईं, जबकि यौन उत्पीड़न से संरक्षण (पॉश) कानून में सामान्यतः तीन माह के भीतर शिकायत करने का प्रावधान है। जांच के दौरान उन्हें शिकायतों और गवाहों के बयानों की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई गईं। कोर्ट ने कहा कि पॉश कानून का उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को प्रभावी और सुरक्षित शिकायत तंत्र उपलब्ध कराना है। इसलिए यदि शिकायत दर्ज करने में देरी हुई है तो पहले उसके कारणों का आकलन किया जाना चाहिए। हालांकि कोर्ट ने आईसीसी के आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही फिर से विचार के लिए समिति को भेज दिया।

सीईटी की तिथि बढ़ी, अब 13 जुलाई तक होंगे आवेदन, राज्य विवि ने लिया फैसला

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईटी–2026) की तिथियों में संशोधन किया है। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भइया राज्य विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईटी–2026) की तिथियों में संशोधन किया है। अब अभ्यर्थी 13 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं, प्रवेश परीक्षा 19 जुलाई को और सफल अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग 25 जुलाई को होगी। कुलसचिव विनीता यादव की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पहले आवेदन की अंतिम तिथि 25 जून व प्रवेश परीक्षा पांच जुलाई निर्धारित थी। छात्रों की सुविधा और व्यापक हित को देखते हुए दोनों तिथियों को आगे बढ़ाया गया है। वहीं, गैर–व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून से बढ़ाकर 15 जुलाई कर दी है। मेरिट के आधार पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग 20 जुलाई को होगी।

कुलसचिव विनीता यादव की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह निर्णय अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया है। विस्तारित तिथि केवल विवि परिसर में संचालित गैर–व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर लागू होगी जबकि व्यावसायिक पाठ्यक्रम इससे अलग रहेंगे। काउंसलिंग से संबंधित कार्यक्रम और आवश्यक दिशा–निर्देश विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे।

हाईकोर्ट का 24 कोसी परिक्रमा मार्ग परियोजना पर रोक लगाने से इन्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 कोसी परिक्रमा मार्ग परियोजना पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जनहित की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में व्यक्तिगत हित को व्यापक जनहित के आगे झुकना पड़ता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 24 कोसी परिक्रमा मार्ग परियोजना पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जनहित की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में व्यक्तिगत हित को व्यापक जनहित के आगे झुकना पड़ता है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अरुण कुमार की खंडपीठ ने मेसर्स श्री आरके कोल्ड स्टोरेज एंड जनरल मिल्स और तीन अन्य की याचिका पर दिया है।

याची ने संभल में प्रस्तावित 24 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। याचियों का कहना था कि उनकी भूमि पर कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने की योजना है और परियोजना के कारण उनकी जमीन प्रभावित होगी। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। राज्य सरकार ने बताया कि वर्ष 2025–26 की योजना के तहत 24 कोसी वंश गोपाल तीर्थ परिक्रमा मार्ग का निर्माण, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किया जा रहा है। कोर्ट ने याचियों की दलीलें स्वीकार करने से इन्कार करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में परियोजना पर रोक नहीं लगाई जा सकती। हालांकि, हाईकोर्ट ने संभल के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि याचियों की उस भूमि का सीमांकन कराया जाए, जो परियोजना में आएगी और शेष भूमि को अलग चिह्नित किया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि बची हुई भूमि पर कानून के अनुसार अनुमति मिलने पर ही कोल्ड स्टोरेज का निर्माण किया जा सकेगा।

अधिवक्ता के घर की दीवार तोड़कर चोरी

प्रयागराज। धूमनगंज के गंगाविहार कॉलोनी स्थित हाईकोर्ट के अधिवक्ता के सूने मकान की दीवार तोड़कर चोरों ने करीब 30 लाख के जेवर और 1.50 लाख रुपये की नकदी पार कर दी। वाराणसी से लौटने पर अधिवक्ता को घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार पांडेय के अनुसार, वह 20 जून की सुबह करीब 5रू30 बजे परिवार के साथ वाराणसी गए थे। 21 जून की शाम करीब चार बजे लौटने पर घर आए तो कमरे का दरवाजा और अलमारी का ताला टूटा था। उसमें रखी नकदी और जेवर गायब थे। घटना की जानकारी डायल 112 को दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली ताकि चोरों की पहचान हो सके। धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। विष्णापुरी कॉलोनी निवासी आशीष वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह 18 जून की सुबह करीब 9रू15 बजे विकास भवन स्थित अपने कार्यालय गए थे। उनकी पत्नी मायके में थी।

हाईकोर्ट ने अभ्यर्थी को एपीओ भर्ती की मुख्य परीक्षा में बैठने की दी अनुमति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एपीओ भर्ती परीक्षा की प्रयागराज निवासी अभ्यर्थी लवली को मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अंतरिम अनुमति दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एपीओ भर्ती परीक्षा की प्रयागराज निवासी अभ्यर्थी लवली को मुख्य परीक्षा में शामिल होने की अंतरिम अनुमति दी है।

दरवाजा खुला, सामने थीं लपटें, धमाके ने छीनी सांसें; रिसाव से ब्लास्ट तक की कहानी

प्रयागराज। कौशांबी के कोखराज के सिहोरी टोल प्लाजा पर गैस टैंकर में हुए भीषण धमाके ने दोस्त की सांसें छीन ली। शुभम और आलोक एक ही कमरे में सोए थे। जोरदार धमाके ने आसपास के गांवों में दहशत फैला दी। प्रारंभिक जांच में डिवाइडर से टकराने के बाद एलपीजी कैप्सूल टैंकर का वॉल्व निकला जिससे गैस रिसाव होने की बात सामने आई है।

कौशांबी जिले के कोखराज के सिहोरी टोल प्लाजा पर शुक्रवार तड़के गैस टैंकर में हुए भीषण विस्फोट ने दो दोस्तों का सफर खत्म कर दिया। रातभर साथ काम करने के बाद दोनों एक ही कमरे में सोए। नींद खुली तो पलभर में आग की चपेट में आ गए। एक ने दम तोड़ दिया, दूसरा जिंदगी से जंग लड़ रहा है।

रायबरेली के नसीराबाद थाना क्षेत्र के राजापुर कुंवर मऊ निवासी हीरामणि सिंह उर्फ शुभम सिंह (30) पिछले तीन वर्षों से सिहोरी टोल प्लाजा पर सुपरवाइजर थे। करीब एक वर्ष पहले उन्होंने अपने दोस्त आलोक सिंह (26) को भी यहां शिफ्ट इंचार्ज के रूप में नौकरी दिलाई थी।

तब से दोनों साथ रहते, साथ ड्यूटी करते और हर सुख–दुख के साथी बन गए थे। बृहस्पतिवार रात दोनों ने अपनी नाइट शिफ्ट पूरी की। सुबह कमरे में सो रहे थे कि तेज धमाकों से नींद खुली। जैसे ही दोनों ने दरवाजा खोला, सामने आग की विकराल लपटें थीं। बाहर निकलने की कोशिश में दोनों गंभीर रूप से झुलस गए।

दोनों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया, जहां शुक्रवार शाम करीब पांच बजे आलोक सिंह ने दम तोड़ दिया। वहीं शुभम जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। हीरामणि सिंह उर्फ शुभम के चाचा माधव प्रताप सिंह ने बताया कि शुभम के परिवार में पत्नी प्रतिभा सिंह, दस वर्षीय बेटा युग और पांच वर्षीय बेटा वेद हैं।उनकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। उधर, आलोक सिंह रायबरेली के पूरे भदौरियन कूढ़ा गांव के रहने वाले थे।

दरवाजा खुला... सामने थीं आग की लपटें

भीषण अग्निकांड ने कई परिवारों की जिंदगी एक पल में बदल दी। रातभर ड्यूटी के बाद सोए दो कर्मचारियों की नींद तेज धमाके से टूटी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के कठौली निवासी कृष्ण पाल मौर्य (23) पिछले पांच वर्षों से टोल प्लाजा पर पर्ची काटने का काम कर रहे हैं।

उनकी मां अनीता देवी ने बताया कि रात की ड्यूटी पूरी करने के बाद वह अपने कमरे में सो रहे थे। अचानक हुए

धमाके और अफरा–तफरी के बीच जैसे ही बाहर निकले, आग की लपटों में घिर गए और गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे की सूचना उन्हें सुबह करीब नौ बजे मिली, जिसके बाद वह बदहवास हालत में अस्पताल पहुंचीं।

मध्य प्रदेश के मऊगंज निवासी अतुल मिश्रा (30) भी गंभीर रूप से झुलस गए। उनके भांजे ऋतिक शुक्ला ने बताया कि अतुल पिछले एक वर्ष से टोल प्लाजा पर कार्यरत थे। धमाके के बाद जान बचाने के लिए बाहर निकले, लेकिन आग ने उन्हें भी नहीं बख्शा। दोनों को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

भागकर जान बचाने निकाले कृष्ण पाल और अतुल

धमाके से कांपे ग्रामीण जान बचाने के लिए भागे

कोखराज टोल प्लाजा पर एलपीजी गैस टैंकर में लगी आग और जोरदार धमाके ने आसपास के गांवों में दहशत फैला दी। धमाके की आवाज सुनकर लोगों को लगा कि कोई बड़ा हादसा हो गया है। भय के कारण कई ग्रामीण घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे।

घटना के समय लोग जहां थे, वहीं से अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ पड़े। हर किसी के मन में यही डर था कि यदि टैंकर में बड़ा विस्फोट हुआ तो आसपास का पूरा इलाका उसकी चपेट में आ जाएगा।

एलपीजी टैंकर में विस्फोट, आग लगने से दो लोगों की मौत

कौशाम्बी के मंझनपुर के कोखराज स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार सुबह इंडेन गैस के एलपीजी कैप्सूल टैंकर में विस्फोट के साथ आग लग गई। हादसे में मिर्जापुर निवासी चालक धर्मेंद्र (48) जिंदा जल गया। रायबरेली निवासी दूसरे घायल ने प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में दम तोड़ा। गंभीर रूप से झुलसे चार लोगों की स्थिति नाजुक है।

कोखराज थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार सुबह करीब 6रू30 बजे कानपुर से वाराणसी जा रहा इंडेन गैस का एलपीजी कैप्सूल टैंकर लेन बदलने के दौरान डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि टैंकर का वॉल्व निकल गया।

इससे पूरे टोल प्लाजा परिसर और आसपास के क्षेत्र में तेजी से गैस फैलने लगी। गैस रिसाव के बीच टैंकर टोल बूथ और सामने खड़े वाहन से टकरा गया। जोरदार धमाके के साथ आग लग गई और पूरा टोल प्लाजा आग की लपटों में घिर गया।

चपेट में आने से टोल कर्मी हीरामणि (28), आलोक सिंह (27) निवासी रायबरेली, कृष्ण पाल मौर्य (23) निवासी ललितपुर, अतुल मिश्रा (30) निवासी रीवा और राहगीर अनिल कुमार (30) गंभीर रूप से झुलस गए।

घायलों को जिला अस्पताल मंझनपुर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। शाम 5रू00 बजे आलोक सिंह ने भी दम तोड़ दिया। हादसे में एक कार और 15 बाइक भी जल गईं।

प्रारंभिक जांच में डिवाइडर से टकराने के बाद एलपीजी कैप्सूल टैंकर का वॉल्व निकला जिससे गैस रिसाव होने की बात सामने आई है। गैस फैलने के बाद विस्फोट और आग लगी। हादसे में टैंकर चालक की मौके पर और दूसरे घायल ने प्रयागराज के अस्पताल में दम तोड़ा। गंभीर रूप से झुलसे चार लोगों का इलाज चल रहा है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सत्यनारायण, पुलिस अधीक्षक

शुरू से ही धोखे की नीयत न हो तो शादी का वादा टूटना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि टूटे रिश्तों के इंतकाम में दर्ज हो रहे आपराधिक मुकदमे चिंताजनक हैं। शादी का झूठा वादा और वादा न निभा पाना दोनों में फर्क होता है। शुरू से ही धोखे की नीयत न हो तो शादी का वादा टूटना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि टूटे रिश्तों के इंतकाम में दर्ज हो रहे आपराधिक मुकदमे चिंताजनक हैं। शादी का झूठा वादा और वादा न निभा पाना दोनों में फर्क होता है। शुरू से ही धोखे की नीयत न हो तो शादी का वादा टूटना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकल पीठ ने कानपुर निवासी युवक के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में लंबित आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा कि तीन साल तक सहमति से बने संबंधों वाली प्रेम–कहानी को महज इसलिए दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता, क्योंकि शादी नहीं हो सकी।

पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 2021 से 2024 के बीच दोनों सहपाठी थे। इसी दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। जब युवक को नौकरी मिली तो उसके पिता ने शादी से इन्कार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने दिसंबर 2024 में एफआईआर दर्ज कराई। कोर्ट ने पाया कि पीड़िता समझदार वयस्क महिला थी। तीन साल संबंध में रहने के दौरान उसने कोई शिकायत नहीं की। अभिलेखों पर उपलब्ध फोटोग्राफ व गवाह इस तथ्य की पुष्टि करते हैं।

1.10 करोड़ के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रयागराज। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बृहस्पतिवार देर रात गांजा तस्कर अमरजीत यादव उर्फ पहलवान को मिर्जापुर के पास से गिरफ्तार किया है। गोरखपुर के थाना हरपुर बुदहट गांव जबरैला निवासी आरोपी ओडिशा से डीसीएम में प्लास्टिक के खाली क्रेट के नीचे 439 किलोग्राम गांजा छिपाकर प्रयागराज ला रहा था। आरोपी ने बताया कि जिले के होलागढ़ निवासी अभिषेक शुक्ला उर्फ गुरुजी के कहने पर वह गांजा लेने रायगढ़ पहुंचा था। वहीं, पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में गांजे की कीमत करीब 1.10 करोड़ रुपये आंकी है।

एसटीएफ प्रयागराज इकाई को सूचना मिली थी कि ओडिशा के रायगढ़ से गांजे की बड़ी खेप डीसीएम से सोनभद्र और मिर्जापुर के रास्ते प्रयागराज लाई जा रही है। एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने मिर्जापुर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मड़िहान क्षेत्र के पचोखरा–कासोपुर तिराहे के पास वाहन को रोककर तलाशी ली।

डीसीएम में ऊपर प्लास्टिक के खाली क्रेट रखे गए थे, उनके नीचे बोरियों में गांजा छिपा रखा था। पुलिस ने डीसीएम चालक और तस्कर अमरजीत को पकड़ा। उसके पास से फोन और नकदी मिली। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लंबे समय से अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह के लिए काम कर रहा है। होलागढ़ निवासी अभिषेक शुक्ला के कहने पर वह डीसीएम लेकर गांजा लाने गया था।

एक खेप पहुंचाने पर मिलते थे एक लाख रुपये

आरोपी ने बताया कि गाजीपुर निवासी रजत सिंह और रायगढ़ निवासी शुभम सिंह ने वाहन में गांजा लोड कराया था। खेप सीधे प्रयागराज आनी थी। यहां इसे अभिषेक शुक्ला को देना था। एक खेप के सुरक्षित पहुंचने पर उसे एक लाख रुपये मिलते थे। वह पहले भी कई बार इसी तरह गांजे की खेप प्रयागराज पहुंचा चुका है।

अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी एसटीएफ

एसटीएफ प्रभारी जयप्रकाश राय ने बताया कि यह संगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क है, इसके तार ओडिशा, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से जुड़े हैं। टीम प्रयागराज के सप्लायर, वाहन मालिक और गिरोह के फरार सदस्यों की तलाश में जुट गई हैं। मामले में मिर्जापुर के मड़िहान थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

शिक्षा के गढ़ में नशे का कारोबार

प्रयागराज। शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं का गढ़ में नशे का कारोबार फल–फूल रहा है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह बड़ी चुनौती बन गया है। शहर में आए दिन गांजा, स्मैक और अन्य मादक पदार्थों को पकड़ा जा रहा है। नशा तस्करी का नेटवर्क धीरे–धीरे युवाओं तक पहुंच रहा है। इसके जाल में फंसकर युवा जिंदगी तबाह कर रहे हैं। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद तस्कर नए रास्तों से खेप लेकर शहर पहुंच रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर सामने आए आंकड़ों के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 तक जिले में करीब 1500 किलोग्राम गांजा, चार किलोग्राम स्मैक (हेरोइन), 1200 नशीले इंजेक्शन और 450 नशीली गोलियां बरामद की गईं। बरामद मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 10.35 करोड़ रुपये बताई गई। एएनटीएफ की जांच में पता चला कि गांजा ओडिशा से लाया जा रहा है। वहीं, स्मैक वाराणसी और बाराबंकी के रास्ते शहर पहुंच रहा है। तस्कर परिवहन के दौरान पुलिस की नजर से बचने के लिए अलग–अलग तरीकों का सहारा लेते हैं। पुलिस ने 42 नशा तस्करों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। उन्हें कोर्ट से जेल भेजा गया है। इसके अलावा कार्रवाई करते हुए करीब 70 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की गई।

कोचिंग हब और हॉस्टलों पर बढ़ी निगरानी

प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई के लिए आते हैं। पुलिस के अनुसार, नशा तस्कर पढ़ने वाले युवाओं को आसानी से शिकार बनाने का प्रयास करते हैं। इसी वजह से कोचिंग क्षेत्रों, हॉस्टलों और छात्र बहुल इलाकों में पुलिस की विशेष निगरानी रखी जा रही है।

सरकारी कर्मचारियों पर एफआईआर की मांग के मामले में जांच का आदेश

प्रयागराज। जिला अदालत ने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों पर पैतृक संपत्ति के नामांतरण से जुड़े अभिलेख गायब करने, हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के लिए रिश्वत मांगने और धमकी देने के आरोपों से जुड़े प्रकरण में जांच का आदेश दिया है। जिला अदालत ने नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों पर पैतृक संपत्ति के नामांतरण से जुड़े अभिलेख गायब करने, हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के लिए रिश्वत मांगने और धमकी देने के आरोपों से जुड़े प्रकरण में जांच का आदेश दिया है। अदालत ने प्रयागराज के नगर आयुक्त और एसीपी कर्नलगंज को मामले की जांच कर 10 जुलाई तक आख्या प्रस्तुत करने को कहा है। यह आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने अल्लापुर निवासी ओम प्रकाश की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर दिया है। शिकायतकर्ता ने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनके पैतृक मकानों के नामांतरण से संबंधित महत्वपूर्ण अभिलेख नगर निगम से गायब कर दिए गए हैं। साथ ही 2025 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके प्रत्यावेदन का दो माह में निस्तारण करने का जो आदेश दिया था, उसके अनुपालन के नाम पर जोनल अधिकारी ने रिश्वत की मांग की। विरोध करने पर उन्हें धमकाया गया। उनके मुताबिक अभिलेख में उनकी बहनों के मूल अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी), शपथपत्र और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज संलग्न थे। इनके गायब होने से उन्हें संपत्ति संबंधी गंभीर नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अदालत ने कहा कि मामला सरकारी कर्मचारियों से संबंधित है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार प्रारंभिक जांच आवश्यक है। अदालत ने नगर निगम के जोनल अधिकारी और लिपिक के संबंध में नगर आयुक्त और अन्य आरोपों के संबंध में एसीपी कर्नलगंज को जांच कर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई 2026 को होगी।

अभ्यर्थी की लंबाई दोबारा माप कर सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत करें रिपोर्ट: कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस भर्ती में लंबाई कम होने के आधार पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी खारिज किए जाने के मामले में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस भर्ती में लंबाई कम होने के आधार पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी खारिज किए जाने के मामले में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ), कानपुर नगर को तत्काल मेडिकल बोर्ड गठित कर अभ्यर्थी की लंबाई का दोबारा मापन कराने तथा 29 जून 2026 को सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकलपीठ ने कानपुर नगर निवासी अर्चना की याचिका पर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता का दावा गलत पाया गया तो उस पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। याचिका में अभ्यर्थी ने बताया कि उसने लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। लेकिन, शारीरिक परीक्षण के दौरान उसकी लंबाई 152 सेंटीमीटर की निर्धारित पात्रता से अधिक 152.1 सेंटीमीटर होने के बाद भी बिना लिखित सूचना के उम्मीदवारी निरस्त कर दी गई। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि पूर्व की भर्ती प्रक्रिया में वह इसी मानक पर शारीरिक परीक्षण पास कर चुकी थी। उसने पूर्व के एक न्यायिक आदेश का हवाला देते हुए दोबारा मापन की मांग की। शारीरिक दक्षता परीक्षा 29 जून से 1 जुलाई 2026 के बीच प्रस्तावित है। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद तत्काल मेडिकल बोर्ड गठित कर अभ्यर्थी की लंबाई के पुनर्मापन और 29 जून को सुबह 10 बजे अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

बीमा का दावा खारिज करना सेवा में कमी : उपभोक्ता आयोग

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बीमा कंपनी की ओर से दुर्घटनाग्रस्त कार का बीमा दावा खारिज किए जाने को सेवा में कमी माना है। आयोग ने कंपनी को दो माह के भीतर 4.13 लाख रुपये की बीमा राशि, परिवाद दाखिल करने की तिथि से भुगतान तक आठ प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित देने का आदेश दिया है। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम और सदस्य सरला की पीठ ने राघवेंद्र कुमार मिश्रा की ओर से दायर परिवाद पर दिया। करछना क्षेत्र के गगिलाबाद निवासी राघवेंद्र कुमार मिश्रा ने अपनी कार का इंश्योरेंस बीमा कंपनी से कराया था।

संक्षिप्त

गुड़–रोटी खिलाकर सीएम योगी ने की गोसेवा

लखनऊ (संवाददाता)। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा में रमे रहे। उन्होंने स्नेहिल थपकी देकर गायों–गोवंश को खूब दुलारा। गुड़–रोटी खिलाया और गोशाला के कार्यकर्ताओं को गोवंश के समुचित देखभाल के निर्देश दिए। शनिवार प्रातः काल सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या में शामिल रहती है। शनिवार सुबह भी मुख्यमंत्री, मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, थपकी देखे दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़–रोटी खिलाया। गोसेवा के दौरान गोशाला परिसर में विचरण कर रहे मोरों पर भी मुख्यमंत्री ने स्नेह बरसाया।

सपा-कांग्रेस पर केशव मौर्य का तीखा हमला, कहा,अखिलेश की लठैतवादी गैंग कर रही सस्ती राजनीति

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा विवाद को लेकर सपा–कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों को राम मंदिर से स्वाभाविक चिढ़ है और अब उन्होंने इंडिया गठबंधन को भी इसमें घसीट लिया है। केशव मौर्य ने कहा, इस मुद्दे पर झूठ, भ्रम और जहर फैलाना इनका खास शगल बन गया है। पहले श्रीराम मंदिर का विरोध किया, और अब जांच पूरी होने से पहले ही प्रसाद को लेकर बेवजह विरोध कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और उनकी लठैतवादी गैंग एक तरह से सस्ती राजनीति कर रहे हैं। केशव मौर्य ने बताया कि जांच और एफआईआर के बाद गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। यह तय है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन सनातन विरोधी और राम विरोधी तत्व अपनी दुर्भावनापूर्ण मानसिकता उजागर करने से बाज नहीं आते। केशव प्रसाद मौर्य ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया, उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि 2027 में फिर कमल खिलेगा। उन्होंने अपने बयान का अंत श्जय श्री राम!श के नारे से किया। दरअसल, राम मंदिर के प्रसाद की गुणवत्ता को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। इसके बाद सरकार ने एसआईटी गठित की थी। जांच में गड़बड़ी सामने आने पर एफ आई आर दर्ज कर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसी को लेकर सपा और कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही हैं।

यूपी एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, 1 लाख का इनामी शूटर ढेर, बिल्डर मर्डर केस में था वॉन्टेड

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के साथ शनिवार को यहां हुई मुठभेड़ में एक इनामी बदमाश मारा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह मुठभेड़ लखनऊ में इंदिरा कैनाल रोड पर हुई जिसमें आंबेडकर नगर जिले के चक कोदार गांव का निवासी संजय उर्फ संजीव मारा गया उस पर एक लाख रुपये का ईनाम था। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्थाध्एसटीएफ) अमिताभ यश ने एक बयान जारी कर कहा कि शनिवार को इंदिरा कैनाल रोड पर अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान संजय उर्फ संजीव को गोली लगी। यश ने बताया कि उसे प्राथमिक उपचार के लिए डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक संजय एक कुख्यात एवं इनामी अपराधी था जो एक माह पहले 27 मई को पीजीआई थानाक्षेत्र में हुई बिल्डर संदीप सिंह की हत्या मामले में मुख्य शूटर था। आरोप है कि वह आंबेडकर नगर, बस्ती और अयोध्या जिलों में हत्या के कई मामलों में भी शामिल था। वह पिछले 15 वर्षों से अपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने बताया कि संजय ने आंबेडकर नगर में कुख्यात अपराधियों दिलीप वर्मा और खान मुबारक के गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर हत्या समेत कई गंभीर अपराध किए थे। उस पर वर्ष 2011 से ही विभिन्न थानों में हत्या, लूट और हत्या के प्रयास समेत कुल 11 मामले दर्ज हैं। एडीजी ने बताया कि संजय की गिरफ्तारी पर लखनऊ के पुलिस आयुक्त ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

सड़क नहीं बनी तो पानी टंकी पर चढ़े पूर्व बीडीसी, हंगामा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शनिवार को बदहाल सड़कों के विरोध में पूर्व बीडीसी राजू यादव पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गए। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद गांव की सड़कें नहीं बनाई गईं। करीब एक घंटे से अधिक समय तक टंकी पर डटे रहने से गांव वाले परेशान हो गए। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें नीचे उतारने के प्रयास में जुट गए। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबाला रावत टंकी पर चढ़ीं और बातचीत कर उन्हें नीचे उतरने के लिए राजी किया। पूरा मामला दुबग्गा थाना क्षेत्र के टांड़ खेड़ा गांव का है। राजू यादव का आरोप है कि गांव की सड़कें लंबे समय से जर्जर हैं। उन्होंने कई बार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से इसकी शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि प्रशासन की उदासीनता से परेशान होकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है।

5 एसीपी के तबादले,ज्ञानेंद्र सिंह कैंट से मलिहाबाद पहुंचे, महेश त्यागी को ट्रैफिक की जिम्मेदारी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में शनिवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) स्तर पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। पुलिस आयुक्त के आदेश पर 5 अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादलों में ट्रैफिक, गाजीपुर, कैंट, मलिहाबाद और साइबर जैसे अहम सर्किल शामिल हैं। महेश त्यागी को एसीपी ट्रैफिक बनाया गया है। अतुल कुमार पाण्डेय को गाजीपुर सर्किल की कमान सौंपी गई है। सुजीत कुमार दुबे को मलिहाबाद से हटाकर एसीपी कैंट नियुक्त किया गया है, जबकि ज्ञानेन्द्र सिंह को कैंट से मलिहाबाद भेजा गया है। वहीं प्रतीक दहिया को एसीपी साइबर, यूपी–112 और पुलिस लाइन्स की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट में हुए इस प्रशासनिक फेरबदल को कानून–व्यवस्था और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने की कवायद माना जा रहा है।

तीन वर्षीय श्री विश्वकर्मा ने 14 मिनट में तैरकर पार की विशाल यमुना नदी, बना नन्ही जलपरी का आश्चर्यजनक रिकॉर्ड

नन्ही जलपरी श्री विश्वकर्मा को मुख्य अतिथि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने किया पुरस्कृत

प्रयागराज। प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवजीवन तैराकी क्लब के तत्वाधान में तैराकी प्रशिक्षण यमुना नदी में प्रशिक्षित तैराको द्वारा दिया जा रहा है, उस शिविर में कीडगंज प्रयागराज निवासी 3 वर्षीय श्री विश्वकर्मा ने आज 14 मिनट 32 सेकंड में विशाल यमुना नदी को ब्रेस्ट स्ट्रोक से तैरकर पार किया और यह आश्चर्यजनक उपलब्धि हासिल की।

मुख्य अतिथि विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के उपस्थिति में आज प्रातः 6रू45 बजे श्री विश्वकर्मा पुत्री परमेंद्र विश्वकर्मा माता रश्मि विश्वकर्मा अपने प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद के साथ मीरपुर सिंधु सागर घाट (बरगद घाट) लेटे हुए हनुमान जी व शंकर जी का दर्शन करने के उपरांत तैरना शुरू किया 500 मीटर की दूरी कुल 14 मिनट 32 सेकंड में विशाल यमुना नदी को ब्रेस्ट स्ट्रोक से तैरकर उपस्थित जन समूह को आश्चर्यचकित कर दिया। जिस समय श्री विश्वकर्मा यमुना नदी पर मछली की तरह अपने छोटे–छोटे हाथों से आगे बढ़ रही थी साथ लगी नाव पर चल रहे श्री की दादी अरुणा विश्वकर्मा, माता रश्मि, पिता परमेंद्र, मौसी निशा, मामा दीपक, बूआ शिल्पी, फूफा अमित, भाई आरव, बहन श्रीनिका विश्वकर्मा व दर्जनों नाव पर बैठे सैकड़ो दर्शक उसके तैरने की इस आश्चर्यचकित कर देने वाली उपलब्धि देख रहे थे गंगा मैया की जय जमुना मैया की जय विश्वकर्मा भगवान की जय के नारे से नदी गुंजायमान हो रही थी। यमुना नदी पार करने के उपरांत मां यमुना में अपने प्रशिक्षिका कमला निषाद, त्रिभुवन निषाद, मानस निषाद व परिवार के साथ पूजा के उपरांत सभी को प्रसाद प्रदान किया गया। यमुना पार करते ही मुख्य अतिथि रवीन्द्र कुशवाहा ने नन्ही जलपरी श्री विश्वकर्मा को नकद पुरस्कार देकर पुरस्कृत भी किया देखते देखते पुरस्कार देने वालों की लाइन लग गई।

शोधकर्ताओं ने विकसित की ग्रीन नैनोटेक्नोलॉजी

प्रयागराज। सी.एम.पी. कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने विकसित की ग्रीन नैनोटेक्नोलॉजी; 'चिरौंजी' के पौधे से बनाई सुरक्षित जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स

एक सरल और पर्यावरण–अनुकूल 'सॉल–जेल' (Sol-gel) विधि द्वारा किया गया जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स (ZnO NPs) का कवक–संश्लेषण (Mycosynthesis)।

हानिकारक रसायनों के बिना तैयार किए गए ये नैनोपार्टिकल्स गंभीर बीमारियों से लड़ने और खतरनाक बैक्टीरिया को नष्ट करने में सक्षम।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोध पत्रिका श३ ठपवजमबीश (स्प्रिंगर) के जून 2026 अंक में प्रकाशित हुआ यह महत्वपूर्ण शोध।

प्रयागराज, 16 जून 2026रू नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में पर्यावरण–अनुकूल और हरित तकनीकों (ळतममद ज्मबीदवसवहल) को बढ़ावा देते हुए भारत के अग्रणी वैज्ञानिकों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (चौधरी महादेव प्रसाद डिग्री कॉलेज), व दिल्ली विश्वविद्यालय (क्न्), के शोधकर्ताओं के एक संयुक्त दल ने श्चिरौंजीश (बुशनानिया लांजान) के पौधे से अलग किए गए एंडोफाइटिक कवक (Endophytic Fungi) की मदद से जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स (द० छच्े) का निर्माण करने में सफलता प्राप्त की है।

यह शोध वैश्विक स्तर पर स्थापित स्प्रिंगर नेचर समूह की प्रसिद्ध वैज्ञानिक पत्रिका श३ ठपवजमबीश में मूल शोध पत्र के रूप में प्रकाशित हुआ है।

क्या है यह नई तकनीक और क्यों है खास?

आमतौर पर उद्योगों द्वारा जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स बनाने के लिए जिन रासायनिक विधियों का उपयोग किया जाता है, वे अत्यधिक खर्चीली होती हैं और उनसे निकलने वाले सह–उत्पाद पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद जहरीले व हानिकारक होते हैं। इस समस्या का समाधान ढूंढते हुए शोध दल ने कवक के अर्क का उपयोग एक प्राकृतिक विलायक और रिड्यूसिंग एजेंट के रूप में किया। इस अनूठी जैव–वैज्ञानिक सॉल–जेल विधि के जरिए बेहद कम लागत और शून्य–विषाक्तता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले नैनोपार्टिकल्स तैयार किए गए हैं।

शोध के मुख्य निष्कर्ष और विशेषताएं:

सूक्ष्म आकार और शुद्धतारू अत्याधुनिक एक्स–रे विवर्तन (ग्त्क) और ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (ज्म्ड) जांच में पाया गया कि ये नैनोपार्टिकल्स मुख्य रूप से गोलाकार हैं और इनका औसत आकार मात्र 17 नैनोमीटर (दउ) है। यह सूक्ष्म आकार इन्हें जैविक प्रणालियों में अधिक प्रभावी बनाता है।

कैंसर व बुढ़ापे के खिलाफ प्रभावी (एंटीऑक्सीडेंट क्षमता)रू इस कवक–संश्लेषित नैनोपार्टिकल्स में फ्लेवोनोइड्स और टैरिन जैसे प्राकृतिक तत्व मौजूद हैं। परीक्षणों में यह साबित हुआ है कि ये नैनोपार्टिकल्स शरीर में बनने वाले उन हानिकारक फ्री–रेडिकल्स (त्ै) को बेअसर करने की जबरदस्त क्षमता रखते हैं जो कैंसर, समय से पहले बुढ़ापा, गठिया और अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं।

घातक बैक्टीरिया और फंगस का खात्मा (एंटीमाइक्रोबियल क्षमता)रू इन नैनोपार्टिकल्स ने मानव शरीर में संक्रमण फैलाने वाले खतरनाक बैक्टीरिया के खिलाफ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसने इशिरिकिया कोलाई (म्. बवसप) पर 18 मिमी और स्यूडोमोनास एरुगिनोसा पर 12 मिमी का अवरोध क्षेत्र (वदम व िपदीपइपजपवद) बनाया। इसके अतिरिक्त, इसने फसलों को बर्बाद करने वाले कवक फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम (थ्. व•लेचवतनउ) के विकास को 59.72ः तक रोक दिया, जिससे यह कृषि क्षेत्र के लिए एक बेहतरीन पर्यावरण–अनुकूल कवकनाशी भी साबित हो सकता है।

इन वैज्ञानिकों ने मिलकर किया कमालरू

इस महत्वपूर्ण शोध को शोधकर्ता स्नेहा द्विवेदी, अंकिता राय, अजीत कुमार मद्धेशिया, अनुराग मिश्रा, डॉ. ठाकुर प्रसाद यादव और डॉ. आलोक कुमार सिंह (प्रधान अन्वेषक) की टीम द्वारा अंजाम दिया गया है। इस शोध कार्य को पूरा करने में सीएमपी कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे व वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्षा प्रोफेसर मंजू श्रीवास्तव का भरपूर सहयोग रहा।इस शोध में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सी. एम. पी. कालेज के वनस्पति विज्ञान और और दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भविष्य की संभावनाएं:

शोधकर्ताओं के अनुसार, इस हरित विधि से निर्मित जिंक ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स का उपयोग आने वाले समय में फार्मास्युटिकल उद्योगों (जैसे कि एंटी–बैक्टीरियल क्रीम, लोशन और दवाएं बनाने में), चिकित्सा उपकरणों, जल शोधन (अपशिष्ट जल से आर्सेनिक और सल्फर जैसे जहरीले तत्वों को हटाने) तथा कृषि क्षेत्र में फसलों को सुरक्षित रखने वाले स्मार्ट कीटनाशकों के निर्माण में व्यापक स्तर पर किया जा सकेगा।

मुस्लिम और दलित मतदाताओं पर रालोद की नजर

लखनऊ (संवाददाता)। 2027 में होने वाले यूपी असेम्बली इलेक्शन की बाबत एनडीए की तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है।बीजेपी ही नही उसके सहयोगी दलों की भी सक्रियता कम नहीं है। राष्ट्रीय लोक दल ने उन नौ विधानसभा क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ा दी हैं, जहां उसने 2022 के विधानसभा चुनावों और उसके बाद उपचुनाव में जीत दर्ज की थी।आरएलडी ने पिछले चुनाव में सपा के साथ गठबंधन कर ये सीटें जीती थीं। आरएलडी का गैर जाट ओबीसी, दलितों और मुसलमान मतदाताओं के बीच पकड़ मजबूत करने पर फोकस है। आरएलडी पारंपरिक जनाधार से अलग अन्य सामाजिक समुदायों में पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। श्सामाजिक न्याय मंचश नाम का आंतरिक प्लेटफॉर्म बनाया है। इस मंच की प्रमुख संगीता दोहरे बनाई गई हैं। वे पहले बहुजन समाज पार्टी में जोनल कोऑर्डिनेटर थी। संगीता दोहरे 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद आरएलडी में शामिल हो गई थीं। संगीता दोहरे दलित श्जाटवश समुदाय से आती हैं। संगीता दोहरे श्सामाजिक न्याय मंचश के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सम्मेलन करने वाली है। आरएलडी की चाहत दलितों सहित पाल, प्रजापति, बघेल अति पिछड़ी जातियों और मुसलमानों के मतदाताओं को अपनी खींचना है। पहला सम्मेलन 28 जून को मेरठ के सिवालखास में होगा। इस क्षेत्र से गुलाम मोहम्मद आरएलडी के विधायक हैं।माना जाता है कि मुस्लिम समुदाय पारंपरिक रूप से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का समर्थन करते रहे हैं। आरएलडी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में आरएलडी के सपा के साथ गठबंधन तोड़कर बीजेपी के साथ जाने के बाद मुस्लिम वोटरों के एक वर्ग ने आपत्ति जताई थी। गुलाम मोहम्मद के अलावा आरएलडी के एक और मुस्लिम विधायक अशरफ अली खान हैं।उन्होंने थाना भवन सीट पर बीजेपी के सुरेश राणा को हराया था।आरएलडी के सिवालखास के बाद मुजफ्फरनगर, अलीगढ़ में श्सामाजिक न्याय मंचश के सम्मेलन होंगे। मुजफ्फरनगर में चार विधायक राष्ट्रीय लोकदल के हैं।

गेंदे की हर पंखुरी

गेंदे की हर पंखुरी, सूफी सन्त समान।
शिक्षा का इक केन्द्र बन,जारी करें बयान।
जारी करें बयान,अकेलापन है शातिर।
हर लेता मुस्कान, सदा स्वारथ के खातिर।
सुन लो कहें प्रदीप, बात है यह सुनने की।
एका में है शक्ति, कली कहती गेंदे की।।

जीवन में खुशियाँ भरो, रहो हमेशा साथ।
कहकर गेंदा फूल ने, गाया सुन्दर गाथ।
गाया सुन्दर गाथ, सदा महकाओ जग को।
पकड़ सभी का हाथ, बनाओ तीरथ घर को।
सुन लो कहें प्रदीप, करो सबका अभिनंदन।
बाँटो जग में प्यार, यही है सच्चा जीवन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

जन्मदिन से 3 दिन पहले छात्र कोचिंग हॉस्टल की 5वीं मंजिल से गिरा

पिता बोले, संचालकों की लापरवाही से जान गई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र स्थित डिफेंस की कोचिंग के हॉस्टल में एक छात्र की मौत हो गई। वह यहां रहकर छक। की तैयारी कर रहा था। मौत की सूचना पाकर उसके पिता हाथरस से लखनऊ पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे की जान कोचिंग संचालकों की लापरवाही से गई। बेटा पहली मंजिल पर रहता था। वह 5वीं मंजिल पर गया कैसे? अकैडमी के संचालकों की लापरवाही ने बेटे की जान ली। बेटा काफी देर तक तड़पता पड़ा रहा लेकिन कोई नहीं पहुंचा। मृतक छात्र रोहित शर्मा (16) हाथरस के मुल्तान गेट के रहने वाले हरीश शर्मा का बड़ा बेटा था। हरीश, कासगंज में विकास भवन में सहायक लेखा अधिकारी पद पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात 10.15 बजे बेटे के दोस्तों ने फोन पर बताया कि वह छत से गिर गया है। कुछ देर बाद बताया कि अस्पताल में उसकी मौत हो गई है। हमारे बेटे का 1 जुलाई को जन्मदिन था। मृतक के पिता हरीश शर्मा ने बताया रोहित ने 2 दिन पहले अपने दोस्तों के साथ बर्थडे मनाने का प्लान बताते हुए कुछ पैसे मांगे थे। तब मैंने उसे 500 रुपए ऑनलाइन भेज दिए थे। उसे बर्थडे से पहले कुछ और रुपए भेजने को कहा था। रोहित को पांचवीं मंजिल से गिरने को बताया जा रहा है, उस छत पर निर्माण का कार्य चल रहा है। छत पर चारों तरफ बाउंड्री वॉल या रेलिंग नहीं लगी हुई है। वह फर्स्ट फ्लोर पर रहता था, लेकिन पांचवीं मंजिल पर क्या करने और क्यों गया? उसकी चप्पल वहां पर नहीं मिली। मोबाइल फोन कमरे में मिला। अगर वह 3 मंजिल छोड़कर 5वीं मंजिल पर घूमने भी गया होता तो अपना फोन तो लेकर गया ही होता। वह नीचे गिरा, इसकी सीसीटीवी फुटेज मिली है। लेकिन, वह ऊपर तक गया कैसे, इसकी फुटेज नहीं मिली। बेटा गिरने के बाद काफी देर तक नीचे जमीन पर पड़ा रहा और उस दौरान हॉस्टल प्रबंधन स्टाफ का कोई भी वहां नहीं पहुंचा। उसके गिरने की आवाज सुनकर उसके साथ रहने वाले छात्रों ने बाहर जाकर देखा, तब इसकी जानकारी प्रबंधन को दी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 22/2026 दिनांक 24.06.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या : 19265739A	मात्रा : 01 नग	ई.म.डी. रू : 1,91,040/-
विवरण : बैटरी से चलने वाला रेल-कम-रोड वाहन		
निविदा खुलने की तिथि : 27.07.2026		
निविदा संख्या : 19265275A	मात्रा : 01 सेट	ई.म.डी. रू : 4,64,000/-
विवरण : ट्रैक्शन कन्वर्टर टेस्ट सुविधा के लिए डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम		
निविदा खुलने की तिथि : 28.07.2026		

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूर्ण विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T.Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। • उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1451/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या उप. मु. वि. इंजी. पीआरवाईजेपीयू 2627टी 02 दिनांक 24.06.2026

ई-निविदा सूचना

इलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट यूनिट के लिए, प्र. मु. वि. इंजी./निर्माण, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई- निविदा आमंत्रित किया जाता है। जिनका विवरण निम्नलिखित है।

निविदा सं0: पीआरवाईजेपीयू 262 7टी 02			
कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में रामबा जीएसएस और मौजूदा नैनी-सरसौल 132 के.वी. डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के बीच 132 के. वी. डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन की सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का बचा हुआ काम।			
अनुमानित लागत: रु0. 136090216.04		बिड सुरक्षा राशि: रु. 2721800.00	
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 16.07.2026 व 15:00 बजे		बोली प्रणाली: द्वितीय पैकेट प्रणाली	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 16.07.2026 व 15:30 बजे		कार्य अवधि: 06 महीना	
लोकेशन	कैपिटल	यूएलआईडी नं0	06023717100

नोट-(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1456/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई - निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई-टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2026/B/7707538 Dated 24.06.2026		
कार्य का नाम: सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन (SFG) पर स्थित पार्सल कार्यालय की गतिविधियों के सम्पूर्ण प्रबंधन (आउटकम-एक्टिविटी आधार पर) 1095 दिनों (03 वर्ष) की अवधि के लिए निविदा।		
निविदा सिस्टम: दो पैकेट सिस्टम	ठेके की अवधि: तीन वर्ष	धरोहर राशि: ₹ 1,32,200/-
कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): ₹ 66,05,640/-		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 29.07.2026 15:00		
निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 29.07.2026 15:30		

नोट:1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) Gem वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.gem.gov.in पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को नि शुल्क जारी किये जायेंगें। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 1480/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. CEN-2026-3 दिनांक: 24.06.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य (इंजी.)/निर्माण-I/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 27.07.2026 के समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विवरण इस प्रकार है।

निविदा नं.: CEN-2026-03	कार्य समापन की अवधि: 09 माह।
कार्य का विवरण: उप मुख्य अभियंता/निर्माण-I/प्रयागराज उ. म. रेलवे के अधीन नवीनतम आर.डी.एस.ओ. दिशानिर्देशों के अनुसार ballasted deck पुलों के लिए रेल-संरचना अन्तःक्रिया (आर.एस.आई.) विश्लेषण करना एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करना।	
अनुमानित मूल्य (₹): ₹ 30,00,998.98	बोली प्रतिभूति (₹) ₹ 60,000.00
निविदा बंद करने की तिथि और समय: 22.07.2026, 15:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि: 22.07.2026, 15:30 बजे।	
निविदा का प्रकार: ओपेन टेन्डर (एकल पैकेट प्रणाली)।	

नोट: (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:00 बजे तक निविदा भरने की तिथि दिनांक 22.07.2026 तक उपलब्ध है। (2) उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहियें कि वे अपने आपको IT Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) बोली प्रतिभूति या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। बैंक गारंटी बांड निविदा दस्तावेज में दिये गये अनुलग्नक-बीजाईड के अनुसार होगा और बोल वैधता अवधि से परे 60 दिनों की अवधि के लिये वैध होगा। (4) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (5) निविदा की राशि 10 करोड़ से अधिक होने पर संयुक्त उद्यम (जे.वी.)/Consortiums/MOUs पर विचार किया जायेगा। (6) संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहियें। (7) सभी निविदाओं हेतु निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। (8) निविदा दस्तावेज में उल्लिखित योग्यता/मानदण्डों को पूरा करने के दावे के समर्थन में अपलोड किये गये दस्तावेजों/प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपि की पृष्ठ को टेन्डर फार्म के निविदाकार या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं प्रमाणित/डिजिटल हस्ताक्षरित किया जायेगा। स्वयं प्रमाणन में हस्ताक्षर, मोहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) अंकित होनी चाहिये। केवल वे दस्तावेज जिन्हें निविदाकार द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि निर्धारित पात्रता मानदण्डों की अर्हता प्राप्त करने के दावे का समर्थन करने वाले दस्तावेज को ही उनकी निविदा का मूल्यांकन करने के लिये विचार किया जायेगा। निविदाकार द्वारा दी गयी किसी भी गलत जानकारी के मामले में अनुबन्ध समाप्त कर दिया जायेगा एवं बोली प्रतिभूति, परफारमेंस गारण्टी और सिक्योरिटी डिपाजिट जब्त कर ली जायेगी और भारतीय रेलवे में एजेंसी पर 5 (पाँच) वर्ष तक कोई भी व्यवसाय करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया जायेगा। (9) सरकारी अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी जी.एस.टी. अधिनियम और सरकार/सम्बन्धित प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर जारी किये गये नियम लागू होंगे। (10) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (11) निविदा आनलाइन दिनांक 22.07.2026 को समय 15:00 बजे तक सबमिट किया जा सकता है तथा निविदा 15:30 बजे दिनांक 22.07.2026 खोली जायेगी। 1454/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरुआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते। निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का–दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां–बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट–कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून–पसीने से लालन–पालन करने वाले पिता के सोचे–विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है? क्या समाज में दूषित खानपान, विषाक्त सोच का बाजार, रिश्तों में बढ़ता अविश्वास और एकाकी परिवारों का त्रास युवा पीढ़ी को आक्रामक बना रहा है? मोबाइल संस्कृति की घातकता व तेजी से फैलता नकारात्मक कंटेंट संबंधों में विकृतियां ला रहा है। मोबाइल फोन जो कभी रिश्तों को जोड़ता था, अपराध का साधन बन रहा है। सोनम व राज सिंह की साजिश हो या सिया व चेतन का षड्यंत्र, उसमें मोबाइल भी सहभागी बना है। पुलिस ने भी चेतन से हुई सिया की हजारों कॉलों का विवरण दिया है। आज साजिशें मोबाइल पर ही रची जाती हैं और मोबाइल से ही अंजाम दी जाती हैं। निश्चय ही सोनम व सिया की साजिशें वैवाहिक जीवन में प्रवेश करने की सोच रहे युवाओं के मन में कई तरह के संशयों को जन्म देंगी। वजह साफ है कि इन हत्याओं से रिश्तों में विश्वास का खून हुआ है। नकारात्मक घटनाएं इक्का–दुक्का ही होती हैं लेकिन ये अप्रत्याशित व असमान्य घटनाएं आम आदमी की सोच को गहरे तक प्रभावित करती हैं। जो समाज में सहज–सरल रिश्तों के प्रति अविश्वास पैदा करती हैं। ऐसी सोच का नकारात्मक परिणाम भारतीय आदर्श स्त्री की प्रतिष्ठा पर भी आंच ला सकता है। यही वजह है कि आज नई पीढ़ी के कई युवा विवाह संस्था में प्रवेश से कतराने लगे हैं।

क्या प्रतिभा का सही आकलन कर पाती हैं नीट जैसी परीक्षाएं?

डॉ. अरुण मित्रा

लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में कई विद्यार्थियों की दुखद मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। नीट पेपर लीक के बाद भी देश के कई हिस्सों से लगातार विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की खबरें सामने आई हैं। देश के बड़े कोचिंग सेंटर कोटा से भी वर्ष दर वर्ष विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की घटनाएं हो रही हैं। ये अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटनाएं हैं, जिन पर समाज और सरकारों– दोनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके साथ ही पिछले कई वर्षों में हम यह भी देख रहे हैं कि विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाते हैं। ऐसे पेपर लीक अक्सर धनबल और मिलीभगत के जरिए संभव होते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे उनके भीतर अनिश्चितता और तनाव बढ़ जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पिछले दस वर्षों में लगभग 90 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं। विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने की उम्मीद से परीक्षाओं में बैठते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में परिवार भी बराबर का भागीदार होता है, क्योंकि माता–पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे बेहतर उच्च शिक्षा प्राप्त करें। अनेक विद्यार्थी एक ही परीक्षा तीन–चार बार तक देते हैं, इस उम्मीद में कि किसी प्रयास में बेहतर अंक प्राप्त कर उनके मनचाहे संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा। जब प्रश्नपत्र लीक होते हैं तो विद्यार्थियों में गुस्सा, निराशा और असहायता की भावना पैदा होती है। यह समझना कठिन नहीं है कि किसी विद्यार्थी के एक परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने की कोई गारंटी नहीं होती कि वह दोबारा परीक्षा में भी वैसा ही प्रदर्शन कर सकेगा। कम उम्र में कई विद्यार्थी इस मानसिक दबाव को सहन नहीं कर पाते और कुछ आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं, जिससे परिवार और समाज दोनों को गहरा आघात पहुंचता है। वर्तमान में कई स्कूलों में दसवीं कक्षा के बाद की पढ़ाई लगभग औपचारिकता बनकर रह गई है। विद्यार्थियों को कोचिंग संस्थानों में भेज दिया जाता है, जहां उन्हें केवल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। कई मामलों में स्कूल स्वयं विद्यार्थियों को कोचिंग में जाने के लिए प्रेरित करते हैं और अपनी शैक्षणिक जिम्मेदारियों से लगभग हाथ खींच लेते हैं। कुछ स्कूल तो विद्यार्थियों की उपस्थिति भी औपचारिक रूप से दर्ज कर देते हैं। स्कूली शिक्षा में शिक्षकों के साथ संवाद, चर्चा और विद्यार्थियों के बौद्धिक दायरे का विस्तार शामिल होता है, जो उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत कोचिंग संस्थानों का मुख्य उद्देश्य प्रवेश परीक्षा के प्रश्न हल कराना और याद रखने की तकनीक सिखाना होता है। विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य किसी भी तरह प्रवेश प्राप्त करना है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक, ज्ञानवान व्यक्ति, व्यापक दृष्टिकोण वाले विचारक और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील इंसान तैयार करना है। कोचिंग संस्थानों पर भारी खर्च आता है, जिसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग वहन नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप उनके बच्चे प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह भी अक्सर सुनने में आता है कि कई कोचिंग संस्थान स्वयं ऐसे विद्यार्थियों का चयन करते हैं जिनसे बेहतर परिणाम की उम्मीद होती है और फिर उन्हें विशेष सुविधा प्रदान करते हैं। इससे कम उम्र में ही भेदभाव की भावना विकसित होने लगती है। मौजूदा परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों की वास्तविक प्रतिभा का सही आकलन नहीं कर सकती। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि विद्यार्थियों के मूल्यांकन की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था क्या हो सकती है? पहले पेशेवर महाविद्यालयों में प्रवेश मुख्यतरू बारहवीं कक्षा के अंकों के आधार पर होता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अंकों पर भी सिफारिशों और अन्य दबावों का प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि प्रायोगिक परीक्षाएं भी ऐसे प्रभावों से पूरी तरह मुक्त नहीं हैं। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद से शिक्षा व्यवस्था में संपन्न वर्गों के हितों को अधिक महत्व दिए जाने और असमानताओं को बढ़ावा मिलने की आशंकाएं भी लगातार व्यक्त की जाती रही हैं। इसलिए इस विषय पर शिक्षा विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श लेना चाहिए कि विद्यार्थियों के मूल्यांकन का सबसे उपयुक्त तरीका क्या हो सकता है। जहां तक नीट के प्रश्नपत्र लीक होने का सवाल है, परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे परीक्षा की पूर्ण सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करें। 21 जून को परीक्षा केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों और पुलिस की भारी तैनाती ने विद्यार्थियों पर अनावश्यक दबाव पैदा किया। छात्राओं के जूड़े तक खुलवाकर तलाशी ली गई, मानो पहले हुए प्रश्नपत्र लीक इसी माध्यम से हुए हों। इस प्रकार की कार्रवाई युवा छात्राओं की गरिमा को ठेस पहुंचाती है। बड़ी संख्या में परीक्षा केंद्र अंतिम समय में बदल दिए गए, जिससे अनेक विद्यार्थी परीक्षा में शामिल ही नहीं हो सके। ऐसी घटनाएं मानवीय मूल्यों की उपेक्षा को दर्शाती हैं।

प्रश्नपत्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना की सहायता ली गई। यह सरकार की कमजोरी को दर्शाता है। सशस्त्र बलों का दायित्व देश की सीमाओं की रक्षा करना है, परीक्षा प्रश्नपत्रों का वितरण करना नहीं। इसी संदर्भ में युवाओं और विद्यार्थियों ने श्कॉकरोच जनता पार्टीश के बैनर तले अपनी आवाज बुलंद की। एआईएसएफ, एनएसयूआई और अन्य छात्र संगठनों के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किए। लेकिन देश के प्रधानमंत्री ने इस पूरे मुद्दे पर एक शब्द तक नहीं कहा। इसके विपरीत, जब विद्यार्थी परेशान थे और कुछ आत्महत्या तक कर चुके थे, उस समय प्रधानमंत्री 21 जून को योग करते हुए तस्वीरें खिंचवाने और विश्वभर में योग के प्रचार–प्रसार में व्यस्त दिखाई दिए। विद्यार्थियों की पीड़ा के प्रति यह रवैया असंवेदनशीलता का परिचायक प्रतीत होता है।

पैसा देंगे गाड़ीवाले तो पैदल वालों को कौन पूछे?

अरविन्द मोहन

पैदल अगर हमारे मुहावरों और लोकोक्तियों तक में कमजोर और घटिया जैसे अर्थों में आ गया है तब सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैदल चलने को मौलिक अधिकार घोषित करना और आने–जाने की आजादी से जोड़ना काफी महत्व का है। अब इसका व्यावहारिक अर्थ क्या निकलता है और सरकार की नीतियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है? क्योंकि अदालत ने भले एक पांच साल के बच्चे की मौत के सवाल को यहां तक पहुंचाया है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों के मारे जाने के जो आंकड़े खुद सरकार के दस्तावेज बताते हैं उनके अनुसार ज्यादातर दुर्घटनाएं सड़क सुरक्षा संबंधी कायदे कानून के न लागू हो पाने के चलते है। और ये आंकड़े डरावने हैं– पांच साल में 1.8 लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवा चुके हैं। आंकड़े 2019 से 2024 के बीच के हैं और 2024 में 36326 लोगों के मरने की बात सरकार ही स्वीकारती है। इसे थोड़ा और सरल करना चाहें तो प्रति 15 मिनट में किसी न किसी की जान जाने का अनुमान सामने आएगा। इसमें भी कथित राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरने वाले सबसे ज्यादा हैं और देहात में कम। जरा और भी बारीकी में जाएंगे तो समझ आएगा कि सबसे ज्यादा सुरक्षित सफर विमान यात्रा है और सबसे असुरक्षित पैदल और उसके बाद साइकिल की सवारी है। पूरी इंद्रियों के सचेत रहते और गियर–ब्रेक का संचालन सीधे दिमाग से होने के बावजूद हजारों लोगों का दिमाग सड़क पार करते समय काम नहीं कर पाता। तभी उनकी मौत आती है। आखिर खुद से कौन मारना चाहता होगा। वैसे आधुनिक सड़कों का लोकतंत्र भी अद्भुत है– इसमें बीच की जगह तो सबसे तेज और आरामदायक वाहनों के लिए शरिजर्क्य है। रिक्शा और टमटम का नंबर उससे किनारे और पैदल वालों का सबसे किनारे जहां पैर रखने का व्यवस्थित इंतजाम ही नहीं रहता। और जहां इंतजाम होता है बेकार और भूखे लोगों की जमात वहां दूकान लगाने पहुंच जाती है। अगर बुलडोजर चलता भी है तो फुटपाथ सफाई के नाम पर। आज पीपीपी माडल में जो सड़कें बन रही हैं, जिनका जोर उदारीकरण वाले दौर में और अटल जी की सरकार के समय से ज्यादा बढ़ा है, उनमें फुटपाथ नामक चीज है ही नहीं। फ्लाईओवर और डबल–ट्रिपल डेकर सड़कों पर तो पैदल ही क्यों साइकिल और मोटरसाइकिल की भी मनाही है। सरकारी आंकड़े ही बताते हैं कि पैदल चलने वालों की मौत के 30 फीसदी नेशनल हाईवे पर हुई दुर्घटनाओं के हैं, चलने के चलते कम, सड़क पार करने के क्रम में अधिक। ये हाईवे भी कमाल की चीज हैं और इनके कार्यव्यापार पर अदालत और प्रबुद्ध समाज की नजर नहीं जाती। इनमें उन सभी वाहनों से सड़क पर चलाने का मोटा भाड़ा वसूला जाता है जो खरीद के समय ही काफी मोटी रकम रोड टैक्स के रूप में चुका चुकी होती हैं। जगह–जगह स्थानीय ग्रामीण समाज से तो टोल के विरोध की खबर आती है लेकिन फर्राटे भरने वाले उच्च और मध्यवर्गीय कार वालों से कभी कोई शिकायत नहीं आती। यह जमात भूमंडलीकरण के दौर में ज्यादा तेजी से बड़ा हुआ है लेकिन कुल आबादी का बहुत छोटा हिस्सा है। और इसकी मर्दानगी या न्यायप्रियता का अंदाजा तब लगा जब सरकार ने एक साथ लाखों गाड़ियों को प्रदूषण के नाम पर स्क्रेप करा दिया। इनमें वे गाड़ियां भी थीं जिनके रोड टैक्स अगले कई साल के लिए सरकार ने वसूल रखे थे। पर शायद ही कहीं से चूं की आवाज आई या इन्हीं अदालतों ने सुगबुगाहट दिखाई। जब ये सक्रिय हुए तब तक सिर्फ एनसीआर से सत्तर लाख से ज्यादा गाड़ियां कबाड़ घोषित हो चुकी थी। कहना न होगा कि कार कंपनियां मालामाल हो गईं क्योंकि इतने नए ग्राहक मिल गए। इसलिए यह नतीजा निकालना मुश्किल है कि सरकार को किसकी चिंता है– पैदल यात्रियों की तो नहीं ही है। कार वालों और दूसरे वाहन वालों का नजरिया भी सड़क पर होने वाली इन मौत के आंकड़ों से झलकता है। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस साहब ही नहीं आम लोगों को काकरोच समझने वालों की पूरी फौज है जिसका आचरण भी इन आंकड़ों के जरिए समझ आता है। सड़क सुरक्षा का खयाल रखना सरकार का काम है लेकिन हमारी जिम्मेदारी उससे खत्म नहीं होती। और हमें बीएमडब्ल्यू के जरिए फुटपाथ पर सोये लोगों को रौंदने की आजादी नहीं मिल जाती। सरकार अगर सड़क और फ्लाईओवर के नक्शे में पैदल चलने वालों की जगह नहीं रखती, नगर निगम अगर फुटपाथ खाली नहीं रखवाकर वहां के पटरीवालों से वसूली करता है (वैध और अवैध दोनों तरह से) तो यह उनका दोष है लेकिन हम भी जेब्रा क्रासिंग और ब्रेकर का कितना सम्मान करते हैं। सड़क पार करते बुजुर्ग, लरकोरी औरत, बोझ उठाकर चलने वाले पदयात्री या रेड लाइट का कितना सम्मान करते हैं उसके आंकड़े और प्रत्यक्ष अनुभव यह बताता है कि सड़क बनाकर कुछ कंपनियों की लूट का राज कायम हुआ है, अंतरराष्ट्रीय वाहन कंपनियों को खुली छूट दी गई है तो साथ–साथ हमारा नजरिया भी बदला है। सड़क पर सबवे या फुटओवर ब्रिज के जरिए बुजुर्ग, लरकोरी, बच्चे और भार उठाए व्यक्ति को भेजने की जगह इंजन वाले वाहनों को ऊपर नीचे चलाने वाली व्यवस्था तो सरकार और ये बड़ी ट्रांसपोर्ट वाली कंपनियां नहीं चलने दे रही हैं लेकिन हम भी अपने कर्तव्य भूल रहे हैं। वैसे हिट एंड रन मामले में गुजरात का आगे होना यह बताता है कि देश जिस गुजरात माडल का विकास चाहता है उसकी सच्चाई क्या है? याद नहीं आता कि विश्व गुरु वाली चर्चा में यह कभी जिक्र भी होता होगा कि पुराने समय के यातायात नियम क्या थे। बहुत स्पष्ट ढंग से यह बताया गया है कि पतली सड़क या पगडंडी पर भी चलने का नियम क्या होना चाहिए। इसमें राजा के लिए रास्ता छोड़ने का नियम है तो राजा के लिए भी किसी बुजुर्ग, बीमार या भार लेकर आते यात्री के लिए रास्ता छोड़ने का नियम है। गर्भवती औरत के लिए तो हर किसी के सड़क की जगह छोड़ने का कायदा था। बाजार और उसकी संचालक शक्तियों की परिभाषा में जो आदमी महंगी खरीद न करे, ज्यादा उपभोग न करे उन सबको सम्मान देना तो दूर आदमी न गिनना ही कायदा बन गया है। जो कंज्यूमर नहीं है वह आदमी नहीं है। और सरकारों के लिए भी टैक्स न देने वालों या कम टैक्स देने वालों का हिसाब बहुत महत्व नहीं है। वे तो पांच किलो राशन पर पट सकने वाले वॉटर भर है और यही नजरिया जब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के बयान से झलकता है तो कोई काकरोच पार्टी बना लेता है यही अभी तक बचा है। इस जमात के अंदर इतना भी आत्मसम्मान बचा हुआ तो सरकार डरती है पर अदालती फैसले से भी ऐसा डर होगा, इतना बड़ा और निर्णायक निर्णय कुछ करा पाएगा, इसका भरोसा कम ही रह गया है।

कौन है भारत का नागरिक

भारत का नागरिक कौन हो सकता है, क्या जिन लोगों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और इन सबके साथ–साथ पासपोर्ट भी है, उन्हें भी भारत का नागरिक माना जाए या नहीं, यह एक गंभीर सवाल विदेश मंत्रालय के एक बयान के बाद उठ रहा है। दरअसल बुधवार को विदेश मंत्रालय ने 14वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर देश में पासपोर्ट

सेवाओं के विस्तार और उपलब्धियों की जानकारी साझा की। इसी दौरान मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि पासपोर्ट अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सुगम बनाने के लिए जारी किया जाने वाला सरकारी दस्तावेज है, लेकिन यह अपने आप में नागरिकता का ठोस प्रमाण नहीं है। इसके बाद सवाल उठने लगे कि आखिर मोदी सरकार अब कोई नयी खिचड़ी पका रही है। क्योंकि कुछ समय पहले एसआईआर पर जब सुनवाई हो रही थी तो आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना गया। जबकि आधार बनवाना हो या पासपोर्ट, इन सबके लिए कई घर के पते से लेकर बिजली या टेलिफोन बिल और मैट्रिक के प्रमाणपत्र तक कई तरह के दस्तावेज मांगे जाते हैं, पुलिस जांच की प्रक्रिया होती है, ताकि संदिग्ध व्यक्ति के हाथ में ऐसे महत्वपूर्ण पहचान पत्र न चले जाएं। जब हर तरफ से जांच पूरी होती है, तभी आधार और पासपोर्ट जैसे दस्तावेज जारी होते हैं। लेकिन विदेश मंत्रालय के बयान के बाद सवाल पूछा जाने लगा है कि पैन कार्ड केवल आय से जुड़े कामों के लिए हैं, पासपोर्ट सफर के लिए, मतदाता कार्ड वोट डालने और आधार बैंक खाता खोलने आदि के लिए है, तो फिर नागरिकता और किस तरह से साबित की जा सकती है। बता दें कि भारतीय नागरिकता कानून के अनुसार 26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्म लेने वाला व्यक्ति जन्म से भारतीय नागरिक माना जाता है। इस दौरान माता–पिता की राष्ट्रीयता कोई मायने नहीं रखती थी। यानी माता–पिता विदेशी भी हों, तो भी बच्चा भारत में जन्म लेने पर भारतीय नागरिक होता था। लेकिन 1 जुलाई 1987 के बाद जन्मे व्यक्ति को नागरिकता तभी मिलेगी जब उसके माता–पिता में से कम से कम एक भारतीय नागरिक हो। 3 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे व्यक्ति को तभी नागरिक माना जाएगा जब दोनों माता–पिता भारतीय हों या एक भारतीय नागरिक हो और दूसरा अवैध प्रवासी न हो। अब विदेश मंत्रालय के एक अविचारित बयान के कारण अनावश्यक विवाद खड़ा हो गया है। पासपोर्ट एक्ट के तहत पासपोर्ट जारी किया जाता है, और नागरिकता एक्ट, 1955 के तहत नागरिकता तय होती है। पासपोर्ट कानून दस्तावेज की पुष्टि करता हैय नागरिकता कानून नागरिक की कानूनी स्थिति को। इसमें कोई कानूनी विवाद अब तक खड़ा नहीं हुआ है। ध्यान दें कि पासपोर्ट पर शरिपब्लिक ऑफ इंडियाश लिखा होता है,

यानी यह भारतीय गणराज्य का दस्तावेज है, इसे रखने वाले की पहचान इस पर लिखी होती है। विदेश यात्रा के लिए इसकी अनिवार्यता है, क्योंकि इसी पर दूसरे देश की सरकारें प्रवेश की अनुमति यानी वीजा चस्पां करती हैं, क्योंकि उन्हें यकीन है कि भारत सरकार ने इसे जारी करने से पहले धारक की नागरिकता की पुष्टि कर ली है। सरकारी अधिकारियों, सांसदों आदि के लिए सरकारी पासपोर्ट बनता है और जब वे आम व्यक्ति की श्रेणी में आते हैं, तो उनके पासपोर्ट का दर्जा भी बदल जाता है। भारतीय नागरिक भारत के साथ किसी अन्य देश का पासपोर्ट नहीं रख सकते हैं, याद कीजिए असम के मुख्यमंत्री हिमंताबिस्वा सरमा की पत्नी पर पवन खेड़ा ने तीन पासपोर्ट रखने के ही आरोप लगाए थे। ऐसे में यह सवाल जायज है कि अगर पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं है, तो फिर क्या है? कानूनी तौर पर पासपोर्ट से नागरिकता नहीं मिलती। और न ही यह वह कानूनी दस्तावेज है जो अदालत में नागरिकता पर सवाल उठने पर उसे तय करता है। धोखाधड़ी, माता–पिता के बारे में विवाद या गैर–कानूनी तरीके से नागरिकता हासिल करने जैसे दुर्लभ मामलों में, नागरिकता को श्नागरिकता अधिनियमश के प्रावधानों और सहायक सबूतों के जरिए साबित करना पड़ सकता है। इसीलिए कानून की नजर में पासपोर्ट को हर स्थिति में पक्का सबूत नहीं माना जाता। मगर फिर भी यह तो तय है कि भारत का पासपोर्ट भारतीय नागरिक को ही जारी हो सकता है, किसी और को नहीं, इसलिए इसका व्यावहारिक महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता। भारत 1947 में आजाद हुआ और 1950 में संविधान लागू हुआ तो इसे गणतंत्र का दर्जा मिला और उसके बाद नागरिकों के पंजीकरण का काम धीरे–धीरे अलग–अलग तरीकों से शुरु हुआ। ऐसे में इस तथ्य को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि लाखों बुजुर्ग भारतीयों का जन्म तब हुआ था जब जन्म प्रमाणपत्र या जन्म के पंजीकरण जैसे काम नहीं होते थे। स्कूली प्रमाणपत्र, जमीन के रिकॉर्ड और वोटर लिस्ट में नाम अलग–अलग तरह से दर्ज थे। असम में हुई एनआरसी में देश ने देखा है कि जब नागरिकता ही कानूनी जांच का विषय बन जाती है, तो कागजात में कमियां कितनी बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इसके शिकार अक्सर गरीब, महिलाएं और मुस्लिम अल्पसंख्यक बनते हैं। अभी एसआईआर में भी यही तबका सबसे ज्यादा प्रताड़ित हुआ। इसलिए पासपोर्ट या आधार आदि पर बयान देने से बेहतर यह है कि सरकार सुविधाजनक, मजबूत और व्यापक नागरिक पंजीकरण की व्यवस्था बनाए, ताकि हाड़–मांस के इंसानों पर यह तलवार न लटके कि वे कभी भी अपनी ही जमीन से गैर नागरिक कहकर हटाए जा सकते हैं। सरकार को इसमें भारतीय उपमहाद्वीप के हालिया इतिहास की त्रासदियों को भी संवेदनशीलता के साथ ध्यान में रखना चाहिए, जिसमें दो–दो बार हुए बंटवारे ने लाखों जिंदगियों के अस्तित्व पर सवाल खड़े कर दिए। सरकार बेशक नागरिकता और पासपोर्ट दोनों कानूनों को कमजोर न करे, लेकिन देश के सबसे अहम दस्तावेजों में से एक पर लोगों का भरोसा भी कम नहीं होना चाहिए।

नेपोटिज्म पर बेबाक अनन्या पांडे

"मुझे मौके मिले, लेकिन खुद को साबित करना मेरी जिम्मेदारी थी"

चमकती रोशनी, कैमरों की फ्लैश और सोशल मीडिया की दुनिया में अनन्या पांडे का नाम आज बॉलीवुड की नई पीढ़ी की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल है। लेकिन इस चमक के पीछे एक ऐसी लड़की भी है जो लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है, जो अपनी कमियों को स्वीकार करती है और जो हर नई भूमिका के साथ खुद को बदलते देखना चाहती है। फिल्मफेयर के मई–जून 2026 अंक के लिए दिए गए विशेष साक्षात्कार में अनन्या ने अपने करियर की यात्रा, नेपोटिज्म की बहस, आत्मविश्वास की कमी, सोशल मीडिया के दबाव और परिवार से जुड़े भावुक पलों पर खुलकर बातचीत की। यह बातचीत किसी स्टार के जवाबों से ज्यादा एक युवा कलाकार के आत्ममंथन जैसी महसूस होती है। मुझे विशेष अवसर मिले थे, लेकिन उन्हें साबित करना भी जरूरी था बॉलीवुड में जब भी स्टार किड्स की चर्चा होती है, अनन्या पांडे का नाम अक्सर उस बहस का हिस्सा बन जाता है। लेकिन उन्होंने कभी इस सच्चाई से दूरी बनाने की कोशिश नहीं की कि उन्हें इंडस्ट्री में प्रवेश का मौका अपेक्षाकृत आसान रास्ते से मिला। अनन्या कहती हैं, "जब मैंने शुरुआत की थी, तब मुझे विशेष अवसर मिले थे और आज भी मिलते हैं। मैं हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थी। जब मुझे मौका मिला तो मेरी यही कोशिश रही कि मैं उसका पूरा फायदा उठाऊं और किसी को निराश न करूं।" उनके इस बयान में बचाव कम और जिम्मेदारी का एहसास ज्यादा दिखाई देता है। वह मानती हैं कि अवसर मिलना एक सौभाग्य हो सकता है, लेकिन दर्शकों का भरोसा जीतना केवल मेहनत से ही संभव है। एक फिल्म जिसने बदल दी लोगों की सोच अनन्या के करियर में कई फिल्में और प्रोजेक्ट आए, लेकिन वह मानती हैं कि 'गहराइयां' उनके लिए एक टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। इस फिल्म के निर्देशक शकुन बत्रा को याद करते हुए वह कहती हैं, "शकुन बत्रा ने मेरा एक अलग रूप देखा। उन्हें लगा कि मैं उस समय की अपनी वास्तविक छवि से कहीं अधिक गहरे, मजबूत और परिपक्व किरदार निभा सकती हूं।" शायद यही वजह थी कि 'गहराइयां' के बाद पहली बार लोगों ने अनन्या को सिर्फ एक ग्लैमरस स्टार किड के रूप में नहीं, बल्कि एक गंभीर अभिनेत्री के रूप में भी देखना शुरू किया। उस फिल्म ने उनके भीतर के कलाकार को नई पहचान दी। असुरक्षा हर किसी के जीवन का हिस्सा है बॉलीवुड की चमक–दमक को देखकर अक्सर लोगों को लगता है कि सितारों के जीवन में आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं होती। लेकिन अनन्या इस धारणा को गलत मानती हैं। वह कहती हैं, "हर इंसान किसी न किसी असुरक्षा से गुजरता है। असली बात यह है कि आप उससे कैसे निपटते हैं। उसे प्रेरणा और बेहतर काम करने की ताकत में बदल देना चाहिए।" यह सोच शायद उनके करियर की सबसे बड़ी ताकत भी है। आलोचना, ट्रोलिंग और लगातार होने वाली तुलना के बावजूद उन्होंने खुद को टूटने नहीं दिया, बल्कि उसे आगे बढ़ने की ऊर्जा में बदला। मैं खुद अपनी सबसे बड़ी आलोचक हूं अनन्या के व्यक्तित्व का एक दिलचस्प पहलू उनका आत्मविश्लेषण है। वह अपनी गलतियों और कमजोरियों को स्वीकार करने से नहीं डरतीं। वह कहती हैं, "मेरा हास्यबोध भी आत्म–जागरूक है। मैं खुद अपनी सबसे बड़ी आलोचक हूं। मैंने अपने पिता से सीखा है कि खुद पर हंसना बिल्कुल ठीक है। बेशक, इसमें किसी तरह का अपमान नहीं होना चाहिए, लेकिन आपको मजाक को सहजता से लेने और दूसरों के साथ हंसने में सक्षम होना चाहिए।" आज जब सोशल मीडिया पर हर छोटी–बड़ी बात पर प्रतिक्रियाएं आती हैं, यह सोच किसी कलाकार को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। 'कॉल मी बे' ने दिखाया नया आत्मविश्वास डिजिटल मंच पर आई 'कॉल मी बे' अनन्या के करियर की सबसे चर्चित परियोजनाओं में रही। यह वह मौका था जब उन्होंने पहली बार एक ऐसी कॉमेडी का नेतृत्व किया जिसमें पूरी कहानी उनके कंधों पर टिकी हुई थी। अनन्या बताती हैं, "जब 'कॉल मी बे' की बात आई, तब तक मैंने कभी किसी पूरी तरह कॉमेडी मूवी में मुख्य भूमिका नहीं निभाई थी। मुझे इसका बेबाक और आत्म–जागरूक हास्य बहुत पसंद आया।" इस परियोजना ने दर्शकों को अनन्या का वह रूप दिखाया जो पहले शायद उन्होंने कभी नहीं देखा था। अभिनय में आज भी निर्देशक पर सबसे ज्यादा भरोसा सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों को हर दिन हजारों राय सुनने को मिलती हैं। लेकिन अभिनय के मामले में अनन्या आज भी एक व्यक्ति की राय को सबसे ज्यादा महत्व देती हैं, अपने निर्देशक की। वह कहती हैं, "मैं पूरी तरह निर्देशक की अभिनेत्री हूं। किसी किरदार को कैसे समझना है और उसे कैसे निभाना है, इसके लिए मैं अपने निर्देशकों के मार्गदर्शन पर भरोसा करती हूं।" यह बयान बताता है कि उनके लिए अभिनय केवल लोकप्रियता का माध्यम नहीं, बल्कि सीखने और विकसित होने की निरंतर प्रक्रिया है। सफलता का अर्थ अब बदल चुका है करियर की शुरुआत में सफलता का मतलब अक्सर लोकप्रियता, बॉक्स ऑफिस और सुर्खियां होती हैं। लेकिन आज अनन्या इसे अलग नजरिए से देखती हैं। वह कहती हैं, "मैं अब चीजों को लोकप्रिय और सार्थक जैसी श्रेणियों में नहीं बांटती। कोई फिल्म रिलीज के बाद लोकप्रिय हो सकती है, लेकिन वह हिस्सा पूरी तरह हमारे हाथ में नहीं होता।" यह सोच एक परिपक्व कलाकार की है, जो अब परिणाम से ज्यादा अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहती है। जब अहान पांडे को देखकर छलक पड़े आंसू इस बातचीत का सबसे भावुक हिस्सा उनके चचेरे भाई अहान पांडे से जुड़ा था। 'सैयारा' के जरिए मिली सफलता पर बात करते हुए अनन्या की भावनाएं साफ झलकने लगीं। उन्होंने कहा, "जब मेरी पहली फिल्म रिलीज हुई थी तब मैं नहीं रोई थी, लेकिन जब मैंने अहान को बड़े पर्दे पर देखा तो मैं फूट–फूटकर रो पड़ी। मुझे उस पर बहुत गर्व था और यह देखकर बेहद खुशी हुई कि लोगों ने उसे इतना प्यार दिया।" वह आगे कहती हैं, "मैं उसे लगातार आगे बढ़ते हुए देखना चाहती हूं। सबसे अच्छी बात यह है कि सफलता उसके सिर पर नहीं चढ़ी है। आज भी हर तारीफ और हर फोन कॉल को लेकर उसके भीतर बच्चों जैसी उत्सुकता दिखाई देती है।" इन शब्दों में सिर्फ एक अभिनेत्री की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि परिवार के प्रति गहरा लगाव भी झलकता है। अब सिर्फ किरदार नहीं, खुद को बदलने वाली कहानियां तलाश रही हैं अनन्या साल 2019 में अपने सफर की शुरुआत करने वाली अनन्या पांडे आज उस मुकाम पर हैं जहां वह केवल फिल्में नहीं चुन रहीं, बल्कि ऐसे किरदार तलाश रही हैं जो उन्हें एक बेहतर कलाकार और बेहतर इंसान बना सकें।

18 साल की उम्र में रुहानिका धवन ने खरीदी पहली गाड़ी, साड़ी पहनकर पहुंची शोरूम

त्नींदपां वींूद रूये हैं मोहब्बतें में रूही का किरदार निभा कर रुहानिका धवन ने घर–घर में अपनी पहचान बनाई है। इसके बाद अब रुहानिका धवन को खतरों के खिलाड़ी 15 में देखा जाएगा। इस शो में रोहित शेट्टी के नेतृत्व में दर्शकों को रोमांच, एडवेंचर और हैरतअंगेज स्टंट्स का भरपूर डोज मिलने वाला है। खतरों के खिलाड़ी 15 में सबसे उम्र की खिलाडी रुहानिका धवन होंगी। इसी के साथ आपको बता दें कि बहुत ही कम उम्र में रुहानिका धवन ने अपनी पहली गाड़ी खरीद कर घरवालों का नाम रोशन कर दिया है। हाल ही में रुहानिका धवन ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर के अपने फैंस को खुशखबरी दी है कि उन्होंने अपनी पहली गाड़ी खरीदी है। इस मौके पर पर वो साड़ी पहनकर शोरूम पहुंची। इस पोस्ट के बाद हर कोई कमेंट सेक्शन में उनको बधाई दे रहा है। जैसमीन और दिव्यांका ने इस मौके पर रुहानिका धवन को बधाई दी है। वीडियो के साथ–साथ रुहानिका ने एक बहुत ही इमोशनल नोट भी लिखा है–सपना देखा। उसके लिए मेहनत की। उसे हासिल किया। 18 साल की उम्र में, मुझे हमेशा उम्मीद थी कि यह दिन आएगा लेकिन आज यहां खड़े होकर अपनी विशलिस्ट से अपनी कार खरीदना पूरा होते देखना बिल्कुल सपने जैसा लग रहा है। यह उपलब्धि सिर्फ एक कार के बारे में नहीं हैय यह उस सफर की झलक है जो जितना मुश्किल रहा है, उतना ही फायदेमंद भी। सबसे पहले, मैं भगवान, अपने शानदार माता–पिता और अपने गुरुओं का शुक्रिया अदा करता हूं। मेरे टीचर्स, बेहतरीन ब्रांड्स और उन सभी शानदार लोगों का जिन्होंने मुझे खुद को साबित करने का प्लेटफॉर्म और मौके दिए मुझ पर भरोसा करने के लिए आपका धन्यवाद। मैं उन सभी का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने मुझे बेहतर इंसान बनने में मदद की, और अपने समर्पित स्टाफ, अपनी टीम और घर में मदद करने वाले लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ जो हर दिन पर्दे के पीछे से मेरा साथ देते हैं। यह सफर आसान नहीं रहा है लेकिन हर मुश्किल ने मुझे कुछ सिखाया है। मेरे दिल से एक बात मैं इसे सिर्फ एक सपना पूरा होने का जश्न मनाने और अपना सफर शेयर करने के लिए बता रहा हूँ,कभी भी दबाव बनाने या तुलना करने के लिए नहीं। हम सब अपनी–अपनी दौड़ दौड़ते हैं और हमारे लक्ष्य और समय–सीमाएँ बिल्कुल अलग–अलग होती हैं। लेकिन अगर कोई एक चीज है जिसके लिए मैं हमेशा कहूँगा, तो वह है बड़े सपने देखना। लगातार मेहनत, हिम्मत और भरोसे के साथ, जो सपने आज आपको पहुँच से बाहर लगते हैं, वे सच में कल आपकी हकीकत बन सकते हैं। पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं खत्म होते ही रुहानिका धवन ने आराम करने के बजाय सीधे खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग का रुख किया। इस एडवेंचर रियलिटी शो में उन्होंने अपनी पढ़ाई और प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के बीच शानदार संतुलन दिखाया। शो के दौरान रुहानिका ने रोहित शेट्टी के मार्गदर्शन में कई कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी हिम्मत, मानसिक दृढ़ता और शारीरिक क्षमता को परखा। अब शो की शूटिंग पूरी हो चुकी है और रुहानिका अपने घर लौट आई हैं, जहां वह अपने इस खास अनुभव की यादों को संजो रही हैं।

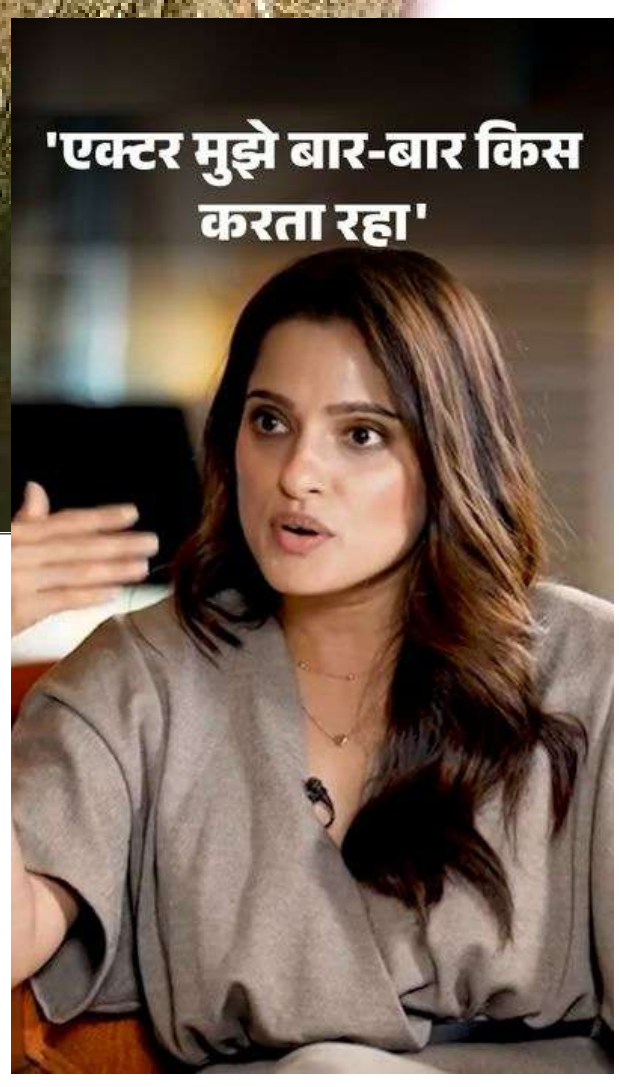

एक्ट्रेस प्रिया बापट ने हाल ही में बताया कि अपनी शुरुआती फिल्मों में से एक की शूटिंग के दौरान किसिंग सीन में वह अनकंफर्टेबल हो गई थीं। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में प्रिया ने कहा, 'फिल्म में सिर्फ एक किसिंग सीन था। स्क्रिप्ट रीडिंग के समय से ही मुझे उसे लेकर डाउट था। मैं लगातार डायरेक्टर से पूछती थी कि इसकी जरूरत क्या है। मेरा सवाल किस करने या न करने को लेकर नहीं था, बल्कि यह था कि कहानी में इसे कैसे सही ठहराया जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'डायरेक्टर इस सीन को लेकर काफी जोर दे रहे थे। आखिर में मैंने सोचा कि अपनी झिझक तोड़नी चाहिए और सीन कर लिया। मैंने पूरी फिल्म में सिर्फ एक किस के लिए हामी भरी थी।' को–स्टार किस करता रहा प्रिया ने कहा, 'इसके बाद गाने की शूटिंग के दौरान एक्टर बार–बार इम्प्रोवाइज करने लगा और मुझे किस करता रहा। उस समय मैं अपने लिए आवाज नहीं उठा पाई।

बॉलीवुड की धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित इन दिनों अपनी नई फिल्म श्मां–बहनश को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है. फिल्म के प्रमोशन के दौरान माधुरी एक से बढ़कर एक खूबसूरत साड़ी लुक में नजर आ रही हैं और हर बार अपने अंदाज से फैंस का दिल जीत रही हैं. 59 साल की उम्र में भी माधुरी का ग्रेस, एलिगेंस और स्टाइल किसी नई एक्ट्रेस से कम नहीं है. उनके लेटेस्ट साड़ी लुक्स सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं. आइए देखते हैं प्रमोशन के दौरान पहने गए माधुरी दीक्षित के कुछ शानदार साड़ी लुक्स. श्मां–बहनश के प्रमोशन में छाईं माधुरी दीक्षित श्मां–बहनश के प्रमोशन के दौरान माधुरी दीक्षित इस ब्लैक साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आईं. उन्होंने साड़ी को मॉडर्न अंदाज में स्टाइल किया था, जो उनके लुक को और भी खास बना रहा था. स्टाइलिश ब्लाउज, स्ट्रेट हेयर और मिनिमल मेकअप के साथ माधुरी ने अपने लुक को बेहद एलिगेंट रखा. वहीं, सिंपल ईयररिंग्स ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए. 'मां–बहन' के प्रमोशन में छाईं माधुरी दीक्षित, 5 लेटेस्ट साड़ी लुक्स देख गुनगुनाएंगे 'धक–धक करने लगा' ब्लू साड़ी में बला की खूबसूरत लगीं एक्ट्रेस इस ब्लू साड़ी में भी माधुरी का अंदाज देखने लायक था. साड़ी की ड्रेपिंग से लेकर उनकी स्टाइलिंग तक हर चीज ने फैंस का ध्यान खींचा. गोल्डन ज्वेलरी और सटल मेकअप के साथ उन्होंने अपने लुक को ग्रेसफुल टच दिया।

10 रुपए बचाने के चक्कर में आ सकती है बड़ी बीमारी! रसोई की ये चाकू बन सकती है नुकसानदायक

❍ एफएसएसएआई ने हाल ही में दिशा-निर्देश जारी किया है कि रेस्टोरेंट, ढाबा और कमर्शियल इस्तेमाल के लिए फूड ग्रेड वाली चाकूओं का इस्तेमाल किया जाएगा। जबकि काफी सारे घरों में सस्ती चाकू यूज होती है, जो सेहत के लिए हार्मफुल होती है।

एफएसएसएआई के नये दिशा निर्देश के अनुसार अब रेस्टोरेंट, ढाबा और कमर्शियली चाकू इस्तेमाल करने वालों को फूड ग्रेड लेवल का चाकू, छूरी, बर्तनों का इस्तेमाल करना होगा। कमर्शियल किचन में जंग लगे, टूटे या छूटे पेंट वाले चाकूओं का इस्तेमाल तुरंत बंद हो। ये तो रहीं रेस्टोरेंट और ढाबों जैसे कमर्शियल रसोई की बात, लेकिन अक्सर लोग घरों में भी सस्ती और ऐसी चाकूओं का इस्तेमाल करते हैं जो कुछ समय बाद ही खराब हो जाती है। उनमे जंग लग जाता है और इनकी धार भी कम हो जाती है। इस तरह की सस्ती, कम कीमत वाली चाकूएं सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है। घर की रसोई में सस्ती चाकू यूज करने के कई नुकसान हैं। जानें आखिर कैसे 10 रुपये सस्ती चाकू आपको और परिवार को बीमार बना सकती है।

लोहे वाली सस्ती चाकूओं के नुकसान

काफी सारे घरों में मार्केट से मिलने वाली वो दस–बीस रुपये वाली बिल्कुल सस्ती चाकू का इस्तेमाल किया जाता है। जो लोहे की बनी होती है और इनमे किसी सेफ्टी मेजरमेंट या स्टैंडर्ड का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। कोई फूड ग्रेड लेबल नहीं होता, लोहे की ये चाकुएं काफी जल्दी जंग खाने लगती हैं। इनकी धार खराब हो जाती है और कई बार टूटी होने के बाद भी यूज में लाई जाती हैं। इन नाइफ से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी जरूर होनी चाहिए।

हाथों में कट लगने का डर

सस्ती चाकूओं की धार कई बार या तो काफी कम होती है या फिर काफी ज्यादा होती है। दोनों ही सिचुएशन में इससे हाथों में कट लगने का डर होता है।

जब चाकू कम धार होती है तो ये सब्जी या फल को काटने की बजाय फिसल जाती है। जिससे हाथ कट जाता है।

वहीं अगर चाकू ज्यादा धार है तो इससे काफी गहरे जख्म का डर होता है। स्किन टिश्यू वगैरह कट जाते हैं। कई बार तो रोजमर्रा के इस्तेमाल में उंगलियों में बारीक कट हर वक्त बने रहते हैं। ये जख्म धीरे–धीरे गहरे होते हैं और इनमे इंफेक्शन का डर होता है।

इन कट लगे हाथों से कुकिंग पूरे खाने को इंफेक्टेड कर सकता है।

खराब क्वालिटी से इंफेक्शन डर

सस्ती चाकूएं अक्सर लो क्वालिटी से तैयार की हुई होती है। इनके स्टील और लोहे की क्वालिटी कम होती है। इन मैटेरियल पर जंग लग जाता है और जंग से छोटे बारीक छेद बन जाते हैं। जिनमे नमी और बारीक फूड पार्टिकल्स फंस जाते हैं। जो कि साफ नहीं होते हैं और इनमे जर्म्स पनपते हैं। जो खाने को भी इंफेक्टेड कर देते हैं।

ई कोलाई जैसे बैक्टीरिया बना देंगे बीमार

जंग लगी चाकूओं में बनने वाले माइक्रोस्कोपिक छेद में ई कोलाई, सल्मोनेला जैसे खतरनाक बैक्टीरिया भी पनप सकते हैं क्योंकि इन बारीक छेदों में फंसे खाने के कणों की सफाई नहीं होती और ऐसी जगहों पर ही ये बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं और जब इन चाकूओं से फल जैसी चीजें काटी जाती हैं और इसे खाया जाए तो सेहत को नुकसान पहुंचाती है।

गोमूत्र पीने के फायदे ज्यादा या नुकसान, क्या यह हर किसी के लिए सेफ है?

भारत में लंबे समय से गोमूत्र का इस्तेमाल ट्रेडिशनल मेडिसिन में किया जा रहा है। कई लोग मानते हैं कि यह शरीर को हेल्दी रखने, डाइजेशन सुधारने और बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं, कुछ लोग इसके फायदों को लेकर पूरी तरह श्योर नहीं हैं।

सच यह है कि गोमूत्र को लेकर कई दावे किए जाते हैं, लेकिन इन सभी दावों को वैज्ञानिक शोध पूरी तरह साबित नहीं कर पाए हैं। इसलिए किसी भी बीमारी के इलाज के लिए सिर्फ गोमूत्र पर भरोसा करना सही नहीं माना जाता। अगर आप भी जानना चाहते हैं कि गोमूत्र के क्या फायदे और नुकसान हो सकते हैं, तो यह खबर आपके लिए है।

गोमूत्र के फायदे

पाचन बेहतर रखने मेंरू कुछ लोगों का मानना है कि गोमूत्र का सेवन पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है।

इन 5 टिप्स के साथ अब आप भी बदलते मौसम में रह सकते हैं स्वस्थ और तंदुरुस्त

❍ बदलते मौसम के दौरान सेहत को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। जानें कैसे पानी, इम्यूनिटी, और साफ-सफाई की आदतें आपको मौसमी संक्रमण से बचा सकती हैं। ये 5 सरल टिप्स आपके स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखने में मदद करेंगे!

बदलते मौसम में अक्सर लोगों को सर्दी, जुकाम, बुखार और एलर्जी जैसी सामान्य समस्याओं की शिकायत होती है। ऐसी समस्याओं में हजारों रुपए की दवाइयां लेने से बेहतर है, आप शुरुआत से इनके कारणों पर काम करें! मौसम के बदलते ही कुछ विशेष बातों का ध्यान रखें और जीवनशैली में जरूरी बदलाव लाएं! खाना, पीना यहां तक कि कपड़े और अन्य गतिविधियों में भी समय रहते बदलाव करना होता है, ताकि बदलते मौसम में शरीर को ढालना आसान हो सके! आज हम आपको बताएंगे आखिर क्यों बदलते मौसम में सेहत के प्रति सचेत रहना जरूरी है। साथ में जानेंगे कुछ जरूरी टिप्स जो बदलते मौसम आपको स्वस्थ एवं संतुलित रहने में मदद करेंगे।

बदलते मौसम में क्यों जरूरी हो जाता है सेहत का ध्यान रखना

बदलते मौसम में अचानक से वातावरण के तापमान और नामी में बदलाव आता है, जिसमें एडजस्ट होने में शरीर को कुछ वक्त लगता है। इस दौरान इम्यून सिस्टम पर अधिक दबाव पड़ता है, जिसके कारण सर्दी, जुकाम, बुखार, एलर्जी, सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकते हैं। इन स्थितियों से बचाव के लिए शुरुआत से कुछ बातों का ध्यान रखें। जरूरी देखभाल और बेहतर खान पान से बदलते मौसम होने वाली परेशानी से बचा जा सकता है।

जानिए बदलते मौसम में खुदको स्वस्थ रखने के कुछ जरूरी उपाय :

1. इम्युनिटी बढ़ाने वाला डाइट लें

बदलते मौसम में खासकर गर्मी और बरसात के बीच खुदको स्वस्थ और संतुलित रखने के लिए खान पान का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान इम्यूनिटी कमजोर होती है, जिससे तमाम वायरल इनफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल एवं हरी सब्जियों का सेवन करें। इसके अलावा विटामिन सी से भरपूर खट्टे फलों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं! एक जरूरी बात सीजनल फल और सब्जियों को भर भर के डाइट में शामिल करें, क्योंकि प्रकृति ने सीजन में मिलने वाले सुपरफूड्स को आपके शारीरिक मजबूती के लिए बनाया है, ताकि आपके अंदर इन सभी समस्याओं से लड़ने की क्षमता हो!

2. बदलते मौसम में रोजाना पिएं ब्मदजतनउ त्म. बींतहम एनर्जी ड्रिंक मिक्स

ब्मदजतनउ त्मबींतहम एनर्जी ड्रिंक मिक्स स्वादिष्ट होने के साथ ही विटामिन और मिनरल से भरपूर पाउडर ड्रिंक है। जो शरीर को कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व और हाइड्रेशन प्रदान करता है। साथ ही इम्यूनिटी को बढ़ावा देता है। इस ड्रिंक में विटामिन ब्, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन ठ12 जैसे अनेक विटामिन और मिनरल की गुणवत्ता है। ये सभी शरीर में महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की गुणवत्ता बरकरार रखते हैं, जिससे बदलते मौसम में फुर्ती और ऊर्जा का संचार बना रहता है।

बदलते मौसम में अगर आप भी हर बार मौसमी संक्रमण से परेशान रहते हैं, तो रोजाना 200उस पानी में ब्मदजतनउ त्मबींतहम एनर्जी ड्रिंक मिक्स का 10 रुपए का एक पैक मिलाएं और आपका स्वादिष्ट एनर्जी ड्रिंक बनकर तैयार है। इस ड्रिंक को रोजाना पिएं, इससे शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने में मदद मिलेगी। ऑफिस, वर्कआउट, ट्रैवल या दिन भर में कभी भी थकान महसूस होने पर इसे आराम से पी सकते हैं। इसे रोजाना लेने से इम्युनिटी मजबूत होगी, जिससे शरीर संक्रमणों से लड़ने के लिए तैयार रहता है।

3. हाइड्रेशन का रखें विशेष ध्यान!

अक्सर गर्मी से बरसात या ठंडा मौसम आते ही लोग पानी पीना कम कर देते हैं। ये बदलते मौसम में की जाने वाली एक बड़ी गलती है, जिसकी वजह से संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है। आम तौर पर बरसात और ठंड का मौसम प्यास कम कर देता है, परंतु आपका शरीर फिर भी पानी इस्तेमाल कर रहा होता है और उसे पर्याप्त मात्रा में पानी की जरूरत होती है। इसलिए कम से कम 3 से 4 लीटर पानी पीने का एक लक्ष्य बनाएं, इस प्रकार बिना प्यास लगे भी कुछ–कुछ समय पर पानी पीते रहने से शरीर में पानी की कमी नहीं होगी।

4. सामान्य शारीरिक गतिविधियों में भाग लें

बदलते मौसम में इम्यूनिटी को बनाए रखने के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। दिन में कम से कम 30 मिनट किसी भी शारीरिक गतिविधि में भाग लेने का लक्ष्य रखें, जैसे एक्सरसाइज, योगा, रनिंग या वॉकिंग! इस तरह गतिविधियों में भाग लेने से ब्लड सर्कुलेशन बना रहता है और सेल्यूलर फंक्शन भी इंप्रूव होता है। ये सभी चीजें इम्यूनिटी के लिए बहुत जरूरी हैं। जब आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी, तो बदलते मौसम में संक्रमण का खतरा बेहद कम होता है।

5. साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें

बदलते मौसम में खासकर गर्मी और बरसात का समय जब चिपचिपी गर्मी होती है, तब आपको साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस मौसम संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा होता है, क्योंकि इन दिनों कीटाणु अधिक सक्रिय होते हैं। इस दौरान आपकी त्वचा पर तमाम तरह के बैक्टीरिया और जर्म्स पनप सकते हैं, इसलिए अपने शरीर को जितना हो सके साफ रखने का प्रयास करें। साथ ही घर के अंदर बेड हो या सोफा या फिर आपका फ्लोर सभी को रोजाना साफ करते रहें। अगर आपके घर में बच्चे या पालतू जानवर हैं, तो साफ सफाई और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बदलते मौसम में अगर इन पांच बातों का ध्यान रखा जाए, तो मौसमी संक्रमण से बचा जा सकता है।

चेहरे को 3-4 शेड ब्राइट करना है? फिटकरी में ये 1 चीज मिलाकर लगा लें, नेचुरल ग्लो दिखेगा!

❍ टैनिंग या किसी और वजह आपके स्किन की रंगत भी डल पड़ गई है, तो फिटकरी में ये 1 चीज मिलाकर लगाना शुरू कर दें। रेगुलर इस्तेमाल के साथ आपका फेस ज्यादा ग्लोइंग और ब्राइट नजर आएगा।

गर्मियों के मौसम में स्किन का डल पड़ना बहुत ही कॉमन है। धूल–मिट्टी, पसीना और तेज धूप की वजह से अक्सर चेहरे का ग्लो चला ही जाता है और रंगत फीकी पड़ जाती है। ऐसे में महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स इतना इफेक्टिव तरीके से काम नहीं करते, जितना होम रेमेडीज करती हैं। ये घरेलू नुस्खे अक्सर सेफ होते हैं और किफायती भी। ऐसा ही एक पुराना नुस्खा आज हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं। अगर आप अपनी स्किन को ब्राइट और ग्लोइंग बनाना चाहते हैं तो एक बार इस तरह से फिटकरी का इस्तेमाल कर के देखें। कुछ ही हफ्तों में ये रेमेडी आपके फेस को 3–4 शेड तक ब्राइट बना सकती है। ब्यूटी क्रिएटर कनिका चौहान ने इस रेमेडी को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, आइए जानते हैं–

ग्लोइंग और ब्राइट स्किन के लिए ट्राई करें ये रेमेडी

टैनिंग या किसी और वजह से आपके फेस का कलर भी डल पड़ गया है, तो ये सिंपल सी 2 इंग्रेडिएंट रेमेडी जरूर ट्राई करें। इसके लिए आपको फिटकरी और मुल्तानी मिट्टी लेनी है। दोनों ही चीजें आसानी से मिल जाती हैं और इनका इस्तेमाल स्किनकेयर के लिए बरसों से किया जा रहा है। इन दोनों चीजों को अगर सही से मिक्स कर के लगाया जाए तो आपकी स्किन 3–4 शेड तक ब्राइट भी हो सकती है। आइए जानते हैं इसे कैसे यूज करें।

फिटकरी और मुल्तानी मिट्टी से ऐसे तैयार करें फेसपैक

स्किन ब्राइटनिंग फेसपैक बनाने के लिए फिटकरी के टुकड़े को किसी साफ पत्थर या सिलबट्टे पर थोड़े से पानी के साथ घिस लें। बहुत ज्यादा नहीं घिसना है, बस हल्का सा एक फिटकरी के पानी का एक घोल सा तैयार कर लेना है। आप चाहें तो गुलाबजल के साथ भी फिटकरी को घिस सकते हैं। अब इसमें थोड़ा सा मुल्तानी मिट्टी का पाउडर एड करें और दोनों को मिक्स कर के एक स्मूद सा पेस्ट तैयार कर लें। जरूरत पड़े तो थोड़ा सा गुलाबजल या साफ पानी भी मिला सकते हैं।

कब और कैसे लगानी है ये फेसपैक

सबसे पहले अपने फेस को अच्छी तरह धो कर क्लीन कर लें। अब फेसपैक की एक लेयर अप्लाई करें और इसे 10–15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। जैसे ही फेसपैक हल्की सी ड्राई हो जाए तो अपने चेहरे को पानी से धो कर क्लीन कर लें। बाद में एक अच्छा मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें। ये रेमेडी आप हफ्ते में 3 बार तक ट्राई कर सकते हैं।

ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

ये फेसपैक आपकी स्किन को ब्राइट और ग्लोइंग बनाने में मदद करती है, लेकिन जरूरी नहीं कि हर स्किन को सूट करे। इसलिए इस्तेमाल से पहले एक बार पैच टेस्ट करना जरूरी है। किसी तरह की खुजली, इरीटेशन, रेडनेस या दाने दिखें तो इसका इस्तेमाल बंद कर दें। साथ ही ध्यान रखें कि फिटकरी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा मात्रा में नहीं करना है। ये स्किन को थोड़ा ड्राई बना सकती है, इसलिए बहुत कम क्वांटिटी में यूज की जाती है।

ना मावा, ना मैदा! ब्रेड में सिर्फ 1 चीज मिलाकर बनाएं हलवाई जैसे रसीले गुलाबजामुन, रेसिपी

❍ मीठे में अगर आपको भी गुलाबजामुन पसंद हैं, तो ये इंस्टेंट रेसिपी आपको जरूर पसंद आएगी। बस दो चीजों से बने ये गुलाबजामुन इतने रसीले और मुंह में घुलने वाले बनते हैं कि आप मार्केट से लाना भूल जाएंगे।

मीठा खाने की क्रेविंग तो हर किसी को होती है। खासकर हमारे भारतीय खानपान में जबतक मीठे में कुछ शामिल ना हो, तब तक मील अधूरी ही मानी जाती है। ऐसे में अगर आपका भी कुछ मीठा खाने का दिल कर रहा है, तो फटाफट से गुलाबजामुन बना सकते हैं। इसके लिए आपको मावा, मैदा या सूजी जैसी चीज की जरूरत नहीं पड़ेगी। बस ब्रेड और दूध अगर आपके पास हैं, तो हलवाई जैसे इतने रसीले और टेस्टी गुलाबजामुन बनकर तैयार होंगे कि आप बाहर से लाना भूल जाएंगे। घर पर मेहमान आए हों या मीठा खाने का दिल करे, ये क्विक रेसिपी आपको जरूर ट्राई करनी चाहिए। यकीन मानिए एक–एक गुलाबजामुन बिल्कुल सॉफ्ट और मुंह में घुलने वाला बनता है। आइए रेसिपी जान लेते हैं–

हलवाई जैसे रसीले गुलाबजामुन बनाने के लिए सामग्री

बिना मैदा, बिना मावा या सूजी के आप हलवाई जैसे रसीले और मुंह में घुलने वाले गुलाबजामुन घर पर बनाकर तैयार कर सकते हैं। ये मुश्किल ले 10 मिनट में बन जाते हैं। इन्हें बनाने के लिए आपको सिर्फ कुछ ही चीजों की जरूरत होगी, जैसे– व्हाइट ब्रेड (5–7), दूध (लगभग 1ध्3 कप), तेल (तलने के लिए), चीनी (1 कप), पानी (1 कप), केसर के धागे (ऑप्शनल), 1–2 हरी इलायची (ऑप्शनल) और गार्निशिंग के लिए कटे हुए ड्राई फ्रूट्स।

ब्रेड से बनाएं मुंह में घुलने वाले टेस्टी गुलाबजामुन

10 मिनट में टेस्टी गुलाबजामुन बनाने हैं तो घर में रखे ब्रेड से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले ब्रेड के ब्राउन किनारों को काटकर अलग निकाल दें। अब ब्रेड को छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़ लें, फिर थोड़ा–थोड़ा दूध डालकर इसका सॉफ्ट सा डो लगा लें। आप ब्रेड के टुकड़ों को पहले मिक्सर में पीसकर पाउडर बना सकते हैं, फिर दूध मिलाकर इसका डो तैयार कर सकते हैं। इससे काम फटाफट और आसानी से हो जाता है।

डो को थोड़ा मसल–मसलकर अच्छी तरह लगाएं, ताकि इसमें गुठलियां ना रहें। गुठलियों की वजह से ही अक्सर गुलाबजामुन में क्रैक पड़ जाते हैं। अब ब्रेड–दूध के इस मिक्सचर को 5 मिनट के लिए ढककर रख दें, ताकि ये अच्छी तरह सेट हो जाए। इसके बाद थोड़ा–थोड़ा मिक्सचर हाथों पर ले कर उसकी बॉल्स बना लें। एक पैन में तेल को हाई फ्लेम पर गर्म कर लें, फिर जैसे ही गुलाबजामुन तलने हों तब गैस की फ्लेम धीमी कर दें। इन्हें गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें।

काम की टिप : गुलाबजामुन को हमेशा लो फ्लेम पर ही फ्राई करें। तेज फ्लेम पर ये बाहर से जल सकते हैं और अंदर से कच्चे रह सकते हैं।

गुलाबजामुन की चाशनी कैसे बनाएं?

परफेक्ट चाशनी बनाने के लिए सही अनुपात पता होना जरूरी है। तो नोट कर लें कि अगर आप एक कप के करीब चीनी ले रहे हैं, तो उतना ही पानी इस्तेमाल करें। दोनों को एक पैन में पका लें, जबतक चीनी अच्छी तरह मेल्ट ना हो जाए। लो टू मीडियम फ्लेम पर डेढ़ से दो मिनट में चाशनी बन जाएगी। अच्छे रंग और खुशबू के लिए आप चाशनी में थोड़े से केसर के धागे और हरी इलायची एड कर सकते हैं।

चाशनी हल्की गर्म हो, उसी समय इसमें गुलाबजामुन सोक कर के रख दें। इन्हें लगभग डेढ़ से दो घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। गुलाबजामुन चाशनी को अच्छे से एब्जॉर्ब कर लेंगे और फूलकर साइज में डबल हो जाएंगे। आपके रसीले, सॉफ्ट और टेस्टी गुलाबजामुन बनकर तैयार हैं। सर्व करते हुए आप उनके ऊपर से थोड़े से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स गार्निश कर सकते हैं।

संक्षिप्त

होर्मुज खुलने के बाद भी जारी रहेगा तेल संकट, चार महीने में 1.15 अरब बैरल का हुआ नुकसान

नई दिल्ली,एजेंसी। 28 फरवरी से शुरू हुए पश्चिम एशिया संकट और अमेरिका–ईरान समझौते के बाद आखिरकार सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की उम्मीदें भले ही मजबूत हो रही हैं, लेकिन वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए यह राहत तात्कालिक है। पिछले लगभग चार महीनों से होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद रहने के कारण दुनिया की तेल आपूर्ति को ऐसा गहरा जख्म लगा है, जिसे भरने में महीनों नहीं, बल्कि सालभर से ज्यादा का समय लगेगा। विश्लेषकों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का साफ कहना है कि होर्मुज खुलने के बाद भी दुनिया भर के रणनीतिक और वाणिज्यिक तेल भंडार खाली ही रहेंगे, जिससे आने वाले महीनों में कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना रहेगा। मांग पर पड़ेगा असर रू कीमतों के इस ऊंचे स्तर का असर वैश्विक मांग पर भी दिखेगा। साल 2026 में वैश्विक तेल मांग में 2025 के मुकाबले 1.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन की गिरावट आने का अनुमान है। हालांकि, 2027 में व्यापार सामान्य होने पर मांग में दोबारा 2 से 2.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन के बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि युद्ध के दौरान मांग को पूरा करने के लिए सरकारों ने अपने आपातकालीन भंडारों को रिकॉर्ड गति से खाली किया है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के मुताबिक, विकसित देशों के समूह (ओईसीडी) का तेल भंडार गिरकर 1990 के बाद के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। संकट की शुरुआत से अब तक इस बफर स्टॉक से 163 मिलियन बैरल तेल निकाला जा चुका है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका का आपातकालीन रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व गिरकर 340.3 मिलियन बैरल पर आ गया है, जो 1983 के बाद का सबसे निचला स्तर है। वहीं ईआईए के मुताबिक, साल 2026 के अंत तक ओईसीडी देशों के पास केवल 50 दिनों की भावी मांग को पूरा करने का स्टॉक बचेगा, जो 2003 के बाद सबसे कम है। बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान रू ईरान, कुवैत व यूएई की कई ऑयल रिफाइनरियों और तेल प्रतिष्ठानों को युद्ध के दौरान भारी भौतिक नुकसान पहुंचा है, जिन्हें दोबारा पूरी क्षमता से शुरू करने में महीनों लगेंगे। यूएस एनर्जी इंफोर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक जब तक दुनिया के तेल भंडार दोबारा नहीं भर जाते, तब तक बाजार में अस्थिरता बनी रहेगी। जैसे–जैसे होर्मुज से ट्रैफिक सामान्य होगा और मध्य पूर्व का बंद पड़ा उत्पादन धीरे–धीरे बाजार में लौटेगा, साल की चौथी तिमाही तक कीमतें घटने का अनुमान है। आईईए और ईआईए दोनों का अनुमान है कि साल 2027 की पहली तिमाही तक अधिकांश बंद उत्पादन पूरी तरह बहाल हो जाएगा। भंडार दोबारा भरने शुरू होंगे, जिससे साल 2027 में ब्रेंट क्रूड का औसत भाव गिरकर 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ सकता है।

कच्चे तेल में राहत से अर्थव्यवस्था को उम्मीद, कमजोर मानसून से महंगाई और ग्रामीण मांग पर खतरा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वैश्विक और घरेलू मोर्चों से परस्पर विरोधी संकेत मिल रहे हैं। पश्चिम एशिया शांति समझौते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आने लगी है। इस राहत को देखकर वैश्विक ब्रोकरेज फर्म भारत की जीडीपी की वृद्धि के मजबूत अनुमान जारी कर रही हैं। लेकिन इसके ठीक उलट, घरेलू मोर्चे पर अल नीनो के कारण मानसून की सुस्ती से देश के नीति–निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों की सांसें अटकी हुई हैं। वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भारत का वित्त वर्ष 2026–27 का विकास अनुमान 6.1 फीसदी से बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। एजेंसी का कहना है कि चालू तिमाही की जीडीपी उम्मीद से बेहतर है। कच्चे तेल में गिरावट का सीधा फायदा भारत को मिलेगा। उधर, ईवाई ने चालू वित्त वर्ष में रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.6 से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। एजेंसी के मुताबिक, मजबूत घरेलू बुनियादी कारकों और विनिर्माण व सेवा क्षेत्र के दम पर देश बाहरी अनिश्चितताओं से आसानी से निपट लेगा। जहां एजेंसियां भारत के पेट्रोलियम रिफाइनिंग इकोसिस्टम और बुनियादी ढांचे को देखकर गदगद हैं, वहीं कृषि और ग्रामीण ऋण विशेषज्ञ अलग हकीकत बयान कर रहे हैं। भारत की 300 अरब डॉलर की कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण मांग पूरी तरह दक्षिण–पश्चिम मानसून पर टिकी है। एलएंडटी फाइनेंस की अर्थशास्त्री रजनी ठाकुर ने कहा कि कम बारिश अपने साथ खराब सेंटीमेंट लेकर आती है, जिसका सीधा असर शेयर बाजार और ग्रामीण खर्च पर पड़ता है। त्योहारी सीजन के दौरान ग्रामीण इलाकों में खर्च में बड़ी कटौती देखने को मिल सकती है। क्वांटइको रिसर्च की युविका सिंघल के मुताबिक, मानसून में 10 फीसदी की कमी से उपभोक्ता महंगाई एक फीसदी तक बढ़ सकती है।

एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने की पुष्टि

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा सितंबर–अक्तूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की चयन समिति के अध्यक्ष आदिल सुमारीवाला ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की है। 28 वर्षीय और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने हाल ही में चोट से उबरने के बाद वापसी की है। सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप से पहले उन्हें पीठ के निचले हिस्से में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने इस सीजन की देर से शुरुआत करते हुए दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया। नीरज ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपनी भागीदारी की पुष्टि पहले ही कर दी थी, लेकिन उन्होंने 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक आईची–नागोया (जापान) में होने वाले एशियाई खेलों में खेलने को लेकर स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा था। आदिल सुमारीवाला ने कहा, हां नीरज राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल दोनों में भाग लेंगे। वह पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं और अब चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने अपने पहले ही इवेंट में 85.69 मीटर का थ्रो किया, जो कि शानदार है। नीरज ने चीन में हुए पिछले एशियाई खेलों में 88 मीटर (88.88 मीटर) के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था और अब वह पहले ही 86 मीटर के करीब पहुंच चुके हैं। ऐसे में हमें कोई कारण नहीं दिखता कि वह राष्ट्रमंडल और एशियाई खेल दोनों में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं करेंगे। एएफआई की चयन समिति द्वारा चल रही राष्ट्रीय अंतर–राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप के अंतिम दिन यानी रविवार को एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। जापान में नीरज चोपड़ा को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरागे ने इस साल 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है और दो डायमंड लीग खिताब जीते हैं। वहीं, ओलंपिक चैंपियन नदीम भी इस रेस में शामिल हो सकते हैं, जिससे मुकाबला बेहद प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने 19 जून को दोहा डायमंड लीग से अपना नाम वापस ले लिया था। नीरज चोपड़ा को पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 32 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जा चुका है। 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले इन खेलों से पहले नीरज किसी और प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं या नहीं, इसका फैसला एएफआई ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष सुमारीवाला ने कहा, हमने यह फैसला उन पर छोड़ दिया है। उनकी मेडिकल टीम, उनके कोच और सभी लोग एक साथ बैठकर तय करेंगे कि उनके लिए कौन सी प्रतियोगिताएं सबसे सही रहेंगी। मुख्य बात उनका क्वालिफाई करना था, जो उन्होंने कर लिया।

जॉर्डन के खिलाफ क्या शुरुआत में नहीं उतरेंगे मेसी ? अर्जेंटीना के कोच स्कालोनी ने दिए संकेत

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी जॉर्डन के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप के ग्रुप–जे मैच में शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं होंगे और बेंच पर बैठेंगे। मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना पहले ही नॉकआउट दौर के लिए क्वालिफाई कर चुका है, जिसके बाद कोच लियोनल स्कालोनी ने अपने स्टार फॉरवर्ड को आराम देने का फैसला किया है। मेसी इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया के खिलाफ मिली जीतों में अर्जेंटीना के लिए पांच गोल दागे हैं, जिससे उनकी टीम ने एक मैच बाकी रहते ही ग्रुप–जे में शीर्ष स्थान सुरक्षित कर लिया है। मैच से पहले बात करते हुए कोच स्कालोनी ने स्पष्ट किया कि इंटर मियामी का यह स्टार खिलाड़ी शुरुआती इलेवन में नहीं होगा, लेकिन मैच में बाद के समय में उनके खेलने की उम्मीद है। स्कालोनी ने कहा, मैच की शुरुआत में मेसी बेंच पर होंगे। वह खेल में थोड़े समय बाद मैदान पर उतरेंगे। स्कालोनी ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि अर्जेंटीना एक कमजोर टीम मैदान पर उतार रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टीम के हर खिलाड़ी ने मौजूदा विश्व चौंपियन का प्रतिनिधित्व करने का मौका कमाया है। स्कालोनी ने कहा, जो खिलाड़ी कल खेल रहे हैं, वे खेलने के हकदार हैं, वे टीम का हिस्सा हैं। ट्रेनिंग में हमने जो भी मेहनत की है, वह इन्हीं खिलाड़ियों की वजह से है। जब वे नहीं खेल रहे होते हैं, तब भी वे अपना पूरा प्रयास कर रहे होते हैं। अर्जेंटीना के कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ियों के बदलने से टीम के प्रदर्शन के स्तर पर कोई असर न पड़े। उन्होने कहा, एक कोच के रूप में मेरा लक्ष्य यह है कि टीम का प्रदर्शन वैसा ही रहे, चाहे टीम में कोई भी खिलाड़ी शामिल हो। अगर आपने जर्सी पहनी है और आप खेल रहे हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैच का पॉइंट्स के लिहाज से कोई महत्व है या नहीं। आप जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने जा रहे हैं। जॉर्डन अपने पहले विश्व कप अभियान में लगातार दो हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है, फिर भी स्कालोनी को एशियाई टीम से एक अनुशासित चुनौती की उम्मीद है। उन्होंने चेताया कि

जॉर्डन पांच के साथ मैदान पर उतर सकता है और अगर अर्जेंटीना को उनके डिफेंस को भेदने में परेशानी होती है, तो उन्हें अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। अर्जेंटीना का लक्ष्य नॉकआउट (राउंड ऑफ 32) पर अपना ध्यान लगाने से पहले ग्रुप–स्टेज अभियान को जीत के साथ समाप्त करना होगा, जबकि जॉर्डन को उम्मीद होगी कि वह अपने इस ऐतिहासिक पहले विश्व कप सफर का अंत एक सकारात्मक परिणाम के साथ करे।

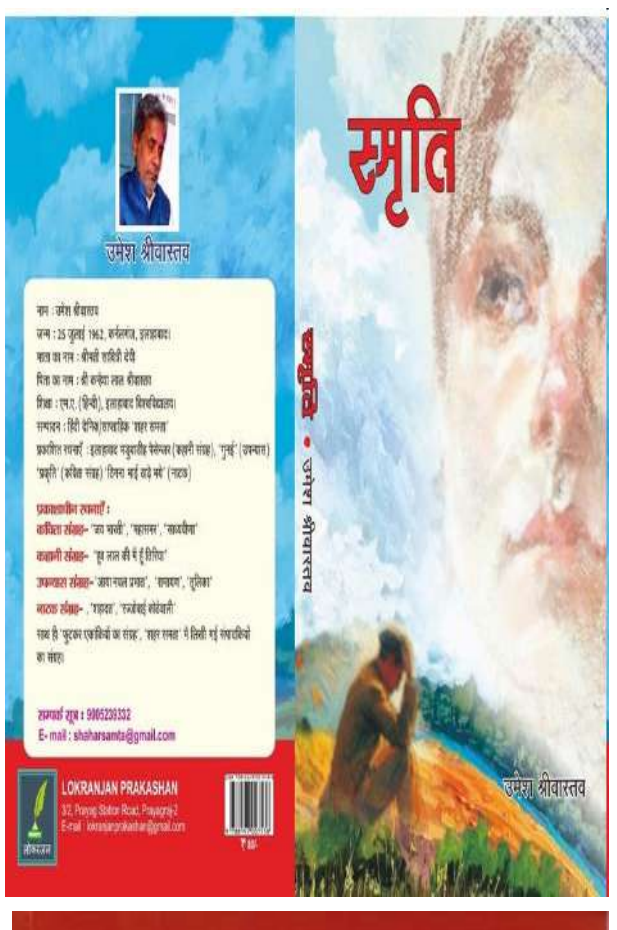

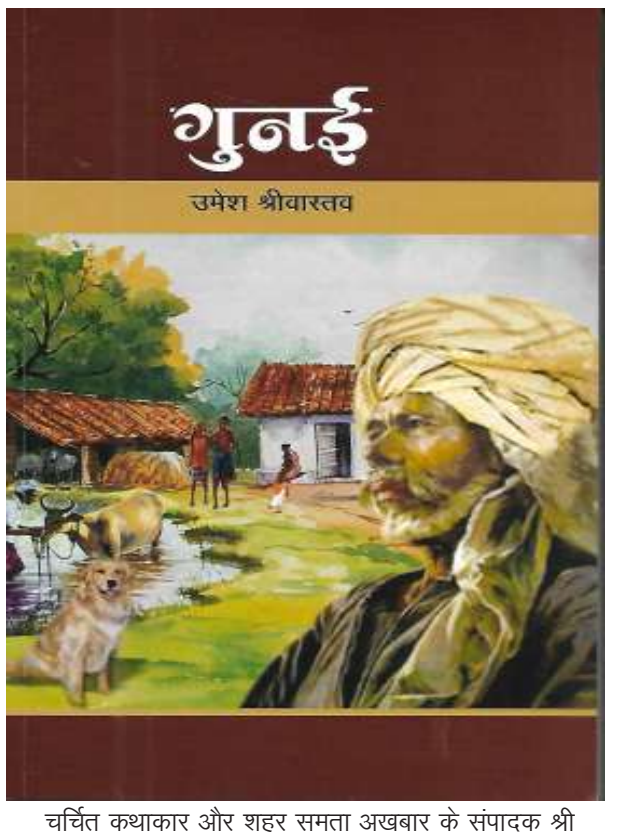

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

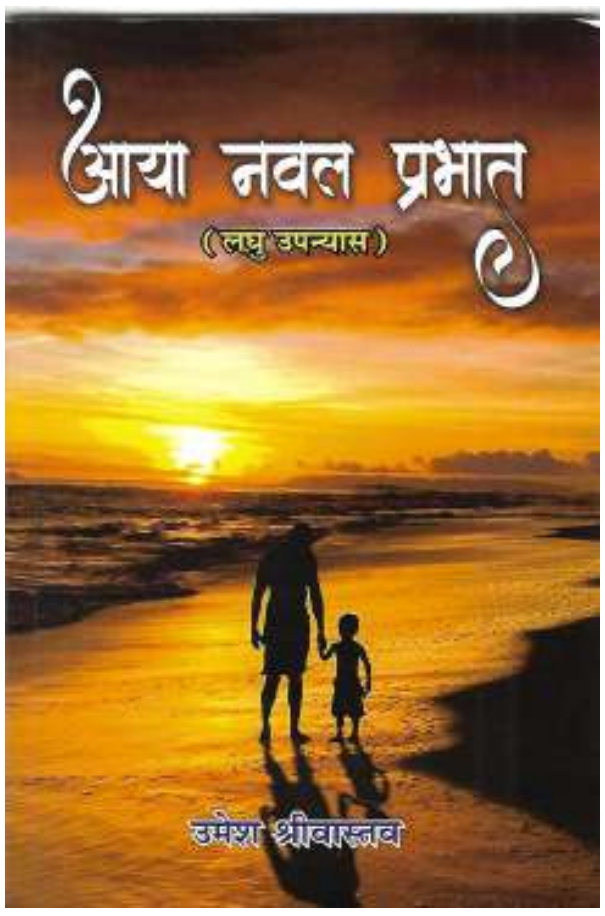

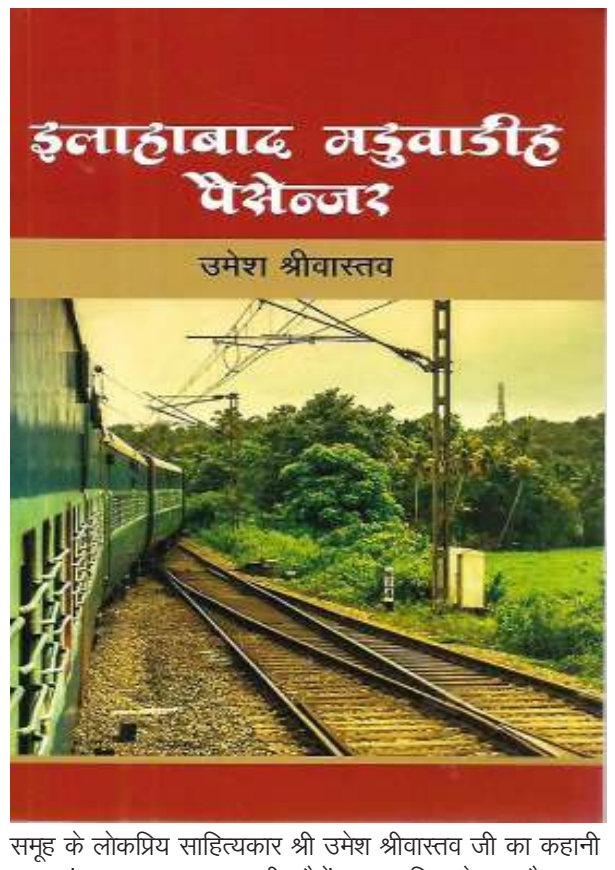

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

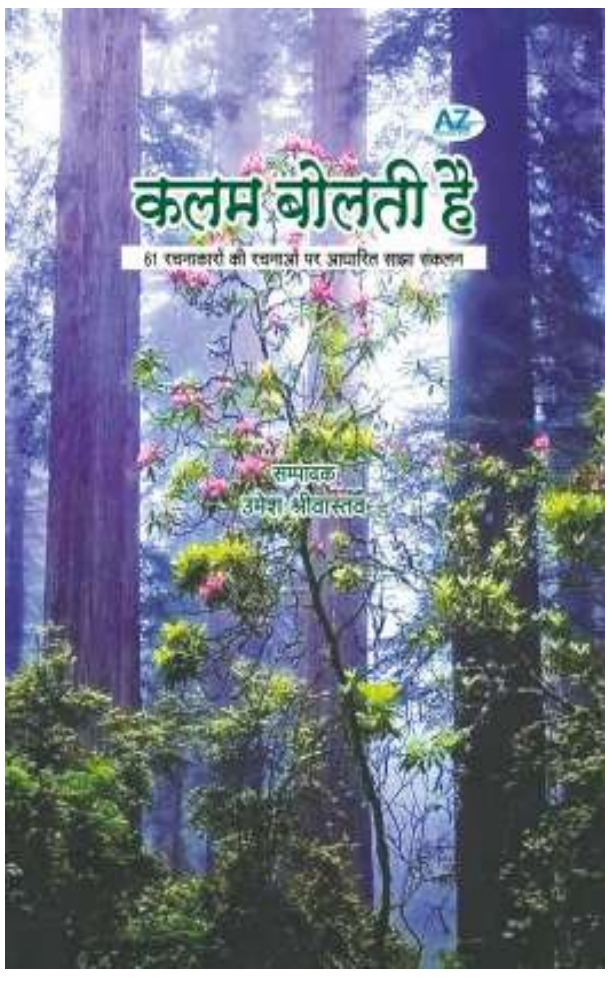

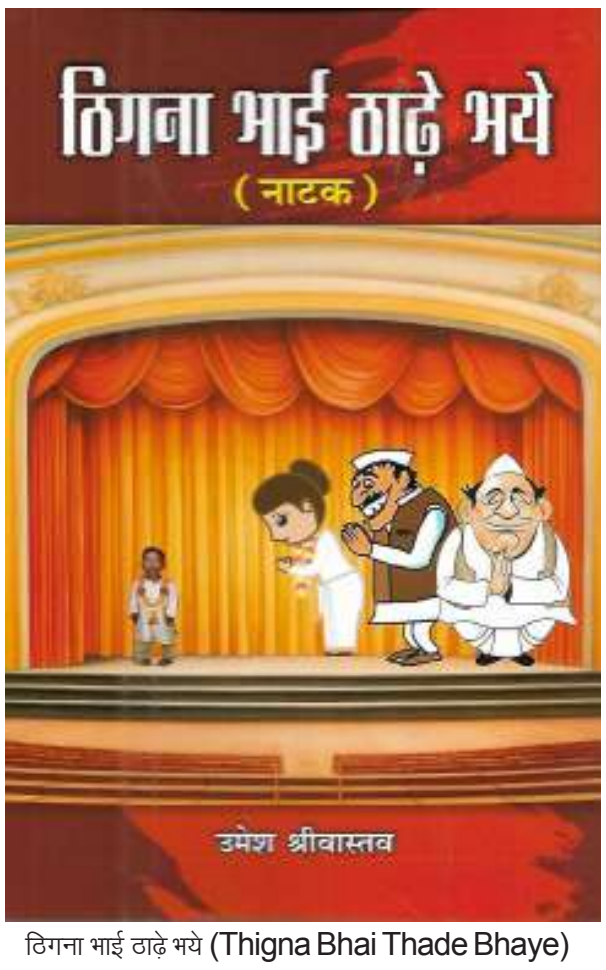

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

वेनेजुएला में तबाही के बीच अब पाकिस्तान में भूकंप, डेरा गाजी खान के पास कांपी धरती

इस्लामाबाद, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंपों से दुनिया अभी उबर भी नहीं पाई है कि अब पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। शनिवार सुबह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत

के डेरा गाजी खान इलाके के पास 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के जान–माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जानकारी के अनुसार, भूकंप शनिवार सुबह पाकिस्तान समयानुसार 8रू53 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र डेरा गाजी खान के पास जमीन से करीब 75 किलोमीटर नीचे स्थित था। झटके महसूस होते ही लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन सतर्क है। पाकिस्तान में हाल के दिनों में कितनी बार महसूस किए गए भूकंप के झटके? यह पहला मौका नहीं है जब हाल के दिनों में पाकिस्तान में धरती कांपी हो। इससे पहले शुक्रवार को बलूचिस्तान के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पाकिस्तान भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण यहां समय–समय पर भूकंप आते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे क्षेत्रों में लोगों को हमेशा सतर्क रहने की जरूरत होती है। वेनेजुएला में भूकंप ने कितनी तबाही मचाई है? पाकिस्तान में आए भूकंप की खबर ऐसे समय आई है, जब वेनेजुएला अभी भी हाल के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है। बुधवार को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए थे, जिनसे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कई इमारतें ढह गईं और हजारों लोग प्रभावित हुए। बचाव और राहत अभियान अब भी जारी है। वेनेजुएला में राहत और बचाव कार्य किस स्थिति में है? वेनेजुएला के कई शहरों में मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। अस्पतालों और राहत शिविरों में बड़ी संख्या में घायलों का इलाज किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियां भी राहत कार्य में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित इलाकों का पूरा आकलन करने में अभी समय लगेगा, क्योंकि कई क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल बना हुआ है।

ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कबूला जुर्म, गोपनीय दस्तावेज मामले में दोषी करार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रह चुके जॉन बोल्टन ने गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने के मामले में अदालत में दोष स्वीकार कर लिया है। बोल्टन ने शुक्रवार को अमेरिकी अदालत में अपना जुर्म

कबूल किया। इस मामले में उनके और अमेरिकी न्याय विभाग के बीच समझौता भी हुआ है, जिससे उन्हें जेल की सजा से राहत मिल सकती है। हालांकि अंतिम फैसला अदालत ही सुनाएगी। 77 वर्षीय जॉन किरियाको नहीं, बल्कि जॉन बोल्टन ट्रंप प्रशासन में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे थे। उन्होंने मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट स्थित अमेरिकी जिला अदालत में राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी को अवैध रूप से अपने पास रखने के एक मामले में दोषी होने की बात स्वीकार की। इस अपराध के लिए अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। बोल्टन को 28 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए बोल्टन को भयानक व्यक्ति बताया और कहा कि उनके साथ सख्ती से पेश आना चाहिए। जॉन बोल्टन पर क्या आरोप लगे थे? अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, बोल्टन पर पिछले साल अक्टूबर में कुल 18 आरोप लगाए गए थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान तैयार की गई डायरी जैसी निजी नोट्स और अन्य गोपनीय जानकारियां अपने पास रखीं और उनमें से कुछ को अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा भी किया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, बोल्टन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अपने दैनिक कार्यों से जुड़ी 1,000 से अधिक पन्नों की जानकारी अपने परिवार को भेजी थी।

क्या समझौते से जेल की सजा टल सकती है? न्याय विभाग के साथ हुए समझौते के तहत बोल्टन ने 22.5 लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। उन्हें अपनी संघीय सेवा से मिलने वाली सेवानिवृत्ति राशि भी छोड़नी होगी। इसके अलावा उन्हें खुफिया अधिकारियों के साथ पूछताछ सत्र में शामिल होना होगा और 100 घंटे तक सामुदायिक सेवा भी करनी होगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

शोएब अख्तर के भाई के जनाजे में दिखे लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी, इन तस्वीरों ने फिर खोली पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के जनाजे को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े बताए जा रहे कुछ लोगों की मौजूदगी का दावा किया जा रहा है। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में आतंकियों की सार्वजनिक मौजूदगी और उन्हें मिलने वाले कथित संरक्षण को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शाहिद अख्तर का 24 जून को निधन हो गया था। इसके बाद इस्लामाबाद के एच–8 कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द–ए–खाक किया गया। जनाजे में खेल, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई लोग

शामिल हुए थे। इसी दौरान वायरल हुए वीडियो में लश्कर–ए–तैयबा के उप प्रमुख सैफुल्लाह कसूरी और पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) से जुड़े कुछ नेताओं के मौजूद होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन वीडियो और तस्वीरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। कौन हैं सैफुल्लाह कसूरी और क्यों हैं चर्चा में? सैफुल्लाह कसूरी को भारत की सुरक्षा एजेंसियां 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में शामिल मानती हैं। इस हमले में 25 पर्यटकों की मौत हुई थी। भारत ने हमले के बाद कई कड़े कदम उठाए थे। इनमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना और ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई शामिल थी। भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर आतंकियों को संरक्षण देने का आरोप लगाता रहा है। जनाजे में और कौन–कौन दिखने का दावा किया जा रहा है? वायरल वीडियो और तस्वीरों में पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के इस्लामाबाद अध्यक्ष इनाम–उर–रहमान कम्बोह समेत कई अन्य नेताओं के दिखाई देने का दावा किया गया है। पीएमएमएल को लेकर लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि यह लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े लोगों का राजनीतिक मंच है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकी हाफिज सईद से जुड़े कई संगठनों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगे हुए हैं। क्या पाकिस्तान में आतंकियों की खुलेआम मौजूदगी पर फिर उठे सवाल? जनाजे में कथित तौर पर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े लोगों की मौजूदगी के दावों ने पाकिस्तान की भूमिका पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। भारत सहित कई देश पहले भी पाकिस्तान पर अपनी जमीन पर सक्रिय आतंकी नेटवर्क के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगा चुके हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऐसे लोगों की कथित मौजूदगी ने इन आरोपों को फिर चर्चा में ला दिया है। क्या शोएब अख्तर या पाकिस्तान सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया आई है? अब तक शोएब अख्तर या उनके परिवार की ओर से इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, पाकिस्तान सरकार ने भी वायरल वीडियो और तस्वीरों को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। ऐसे में इन दावों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। हालांकि, सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है।

भारत आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, मार्को रुबियो ने कहा- भारत-अमेरिका संबंध बेहद मजबूत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने एक इंटरव्यू में बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। व्हाइट हाउस में न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत–अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं और जी7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हुई हालिया मुलाकात के बाद भारत–अमेरिका संबंधों में बेहतरी

हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, श्भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। फरवरी 2020 में ट्रंप ने किया था भारत दौरा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरी बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था। उस समय उन्होंने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता से पहले अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप रैली को भी संबोधित किया था। साल 2024 में अमेरिकी सत्ता में दोबारा लौटने के बाद भी ट्रंप ने भारत के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा दिया है और दोनों देश व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी में कई समानताएं भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत और अमेरिका को असीमित संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग को राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी व्यक्तिगत संबंधों से भी मजबूती मिल रही है। व्हाइट हाउस में आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में गोर ने भारत में अपने पहले छह महीनों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि देश की विविधता, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और अमेरिका के साथ मजबूत होती साझेदारी ने द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य को लेकर उनके विश्वास को और मजबूत किया है। अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में गोर ने कहा, श्वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा कराने में विश्वास रखते हैं।श उन्होंने कहा, श्दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।श भविष्य की प्राथमिकताओं पर गोर ने कहा कि उनका ध्यान भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने, रक्षा सहयोग का विस्तार करने और पैक्स सिलिका जैसी पहलों को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

US में पैक्स सिलिका सम्मेलन: भारत ने एआई अवसर संबंधी पहल का किया समर्थन, संयुक्त घोषणा-पत्र पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत समेत 35 देशों ने एआई प्रौद्योगिकियों को गति देने के लिए विश्वसनीय और मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं के विकास की अमेरिकी पहल का समर्थन कर साझा घोषणा–पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। वाशिंगटन में हुए दूसरे पैक्स सिलिका शिखर सम्मेलन में 35 देशों ने इस संयुक्त घोषणा–पत्र पर हस्ताक्षर करके विकासोन्मुखी और नवाचार–समर्थक नियामकीय दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। अमेरिकी आर्थिक मामलों के अवर विदेश मंत्री जैकब हेलबर्ग ने कहा, यह विश्वसनीय आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण, निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने और ऐसी बुनियादी संरचना विकसित करने की प्रतिबद्धता है, जो आने वाली सदी की एआई क्रांति को शक्ति प्रदान करेगी। शिखर सम्मेलन के दौरान अर्जेंटीना, जर्मनी, नीदरलैंड, चिली, कोस्टा रिका, यूनान, कजाखस्तान, पनामा और यूरोपीय संघ भी पैक्स सिलिका पहल से जुड़ गए। शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन, विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (अमेरिका) नागराज नायडू तथा भारतीय उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने किया। प्रौद्योगिकी आपूर्ति शृंखलाओं में सहयोग भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अन्य देशों की सरकारों व उद्योग जगत प्रतिनिधियों के साथ सेमीकंडक्टर, एआई, लचीली व भरोसेमंद प्रौद्योगिकी आपूर्ति शृंखलाओं में सहयोग बढ़ाने पर विचार–विमर्श किया। हेलबर्ग ने कहा, एआई का भविष्य इस बात से तय नहीं होगा कि सबसे पहले नियम कौन बनाता है, बल्कि हमें ऐसा भविष्य बनाना है, जहां नवाचार, निजी निवेश बढ़े। भारत फरवरी में इस पहल से जुड़ा हेलबर्ग ने कहा, हम सब मिलकर ऐसे एआई भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, जो हमारे नागरिकों की सेवा करे, हमारी अर्थव्यवस्थाएं मजबूत बनाए तथा उद्यमिता, नवाचार को सशक्त करे। भारत इस वर्ष फरवरी में नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मौके पर इस पहल से जुड़ा।

अमेरिका ने भारतीय कंपनी और CEO समेत आठ पर लगाया बैन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफ्रीकी देश सूडान में जारी गृहयुद्ध के बीच एक भारतीय कंपनी और उसके ब्म् का नाम सामने आया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक और उसकी कंपनी समेत आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि इन लोगों और कंपनियों ने सूडान में चल रहे संघर्ष के दौरान ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बनकर काम किया, जिसने युद्ध को लंबा खींचने में मदद की। अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (व्थ्।ब्) के अनुसार, रायपुर के आलोक चौधरी और उनकी कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि कंपनी ने सूडान की एक फर्म को विस्फोटक और उससे जुड़ी सामग्री की आपूर्ति की थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इस सामग्री का इस्तेमाल बाद में सूडानी सेना के सैन्य ढांचे से जुड़ी गतिविधियों में हुआ। अमेरिका ने भारतीय कंपनी पर क्या आरोप लगाए हैं? अमेरिकी वित्त विभाग के मुताबिक, एसबीएल एनर्जी लिमिटेड, जिसे एमिन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है, ने सूडान की टारगेट मल्टीएक्टिविटीज कंपनी (TMAC) को 200 से अधिक खेपों में विस्फोटक और संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई। अमेरिका का कहना है कि यह कंपनी सूडानी सेना के हथियार भंडार को बनाए रखने से जुड़ी थी। इसी मामले में टीएमएसी और उसके महाप्रबंधक तारिक हुसैन मोहम्मद मदानी को भी प्रतिबंधित किया गया है। सूडान में क्यों जारी है संघर्ष? सूडान में अप्रैल 2023 से सूडानी सशस्त्र बल (ै।थ्) और रैपिड सपोर्ट फोर्स (त्ै्थ्) के बीच संघर्ष जारी है। इस लड़ाई ने देश में गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि कुछ कंपनियां और नेटवर्क दोनों पक्षों को हथियार, विस्फोटक और अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे थे, जिससे संघर्ष और लंबा खिंचा। और किन संस्थाओं पर हुई कार्रवाई? अमेरिका ने सूडान और मिस्र की कुछ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें पोर्ट्स इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड भी शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस कंपनी ने संघर्ष शुरू होने के बाद सैन्य वर्दी, जूते और हथियारों से जुड़े उपकरणों के आयात में भूमिका निभाई। इसके अलावा पनामा की टैलेंट ब्रिज एसए से जुड़े तीन अधिकारियों को भी प्रतिबंधित किया गया है। अमेरिका ने प्रतिबंधों को लेकर क्या कहा? अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि जिन नेटवर्क पर कार्रवाई की गई है, वे सूडान के संघर्ष में शामिल पक्षों को हथियार, विस्फोटक और विदेशी लड़ाके उपलब्ध कराने से जुड़े थे। उनके अनुसार, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य ऐसे नेटवर्क पर दबाव बनाना है, जो सूडान में जारी संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं।

वेनेजुएला:त्रासदी के बीच गूंजी किलकारी, मलबे में बच्चे का जन्म, अब तक 920 की मौत, 3000 घायल, 50 हजार लापता

काराकस, एजेंसी। दो शक्तिशाली भूकंपों से इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना कर रहे वेनेजुएला में मृतकों की संख्या बढ़कर 920 हो चुकी है। करीब 3,360 लोग घायल हैं, जबकि 50 हजार से अधिक लोग लापता हैं। मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के दबे होने की आशंका है। मलबे के नीचे ही महिला हुई डिलीवरी हर तरफ मौत व तबाही के मंजर के बीच काराकस में मलबे में दबी गर्भवती

महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। राहत व बचाव कार्य में जुटे कर्मी जब उसके पास पहुंचे तो पता चला कि वह बच्चे को जन्म देने वाली है। तब मेडिकल टीम की मदद से महिला की मलबे के नीचे ही डिलीवरी कराई गई। उसने एक बच्चे को जन्म दिया। हर तरफ कंक्रीट और खौफनाक मंजर के बावजूद मां और बच्चा दोनों सुरक्षित बच गए। अभी दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। लोग मां की हिम्मत और बचाव दल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। मददरू भारत ने छह टन राहत सामग्री व मेडिकल टीम भेजी वेनेजुएला में तबाही के बीच भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत शुक्रवार को वायुसेना के दो विमानों से सेना ने 41 सदस्यीय मेडिकल दल को घायलों के इलाज के लिए वेनेजुएला रवाना किया गया। विदेश मंत्रालय ने इस टीम के साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत से जुड़ी सामग्री इस दल के साथ भेजी है। इसके अलावा भारत की आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत एक विमान में अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी भेजा गया है। यह टीम गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से भेजी गई। क्या है भीष्म क्यूब? भीष्म क्यूब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम समय में स्थापित होकर लगभग 200 मरीजों तक को उपचार और जीवनरक्षक सुविधाएं प्रदान कर सकता है। इस प्रणाली ने भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया के विभिन्न संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

अलास्का वार्ता पर रूस और अमेरिका के दावों में टकराव, लावरोव ने रूबियो के बयान पर उठाए सवाल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने में आखिर क्या भूमिका निभाना चाहता है, इस बारे में साफ तस्वीर सामने आनी चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के एंकरेज शिखर सम्मेलन को लेकर दिए गए बयान के बाद कही। लावरोव ने कहा, श्पूरी स्थिति को साफ करना जरूरी है। लेकिन, एक बात तय है कि अलास्का में अमेरिका की ओर से जो प्रस्ताव रखे गए थे, उन्हें रूस ने स्वीकार कर लिया था अमेरिकी विदेश मंत्री ने क्या किया दावा? गुरुवार को मार्को रूबियो ने कहा कि अलास्का के एंकरेज में हुई बैठक के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच यूक्रेन को लेकर कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ था। बहरीन के दौरे पर पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा, श्अलास्का में कोई समझौता नहीं हुआ था। वहां सिर्फ एक प्रस्ताव रखा गया था। अगर समझौता हो गया होता, तो अब तक युद्ध खत्म हो चुका होताश। लावरोव के बयान के बाद रूबियो की टिप्पणी मार्को रूबियो का यह बयान सर्गेई लावरोव की उस टिप्पणी के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अलास्का में यूक्रेन विवाद के समाधान के लिए अमेरिका ने जो प्रस्ताव दिए थे, उन पर अब तक अमेरिका की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।